www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 195 | जौनपुर रविवार, 01 मार्च 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

गिव टू गेन : जेजीयू का महिलाओं पर दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन 8 मार्च से होगा शुरू

सोनीपत, (एजेंसी)। भारत में महिलाओं पर आयोजित पहले राष्ट्रीय सम्मेलन की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी 8 और 10 मार्च को हरियाणा के सोनीपत स्थित अपने परिसर में दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यह सम्मेलन लैंगिक न्याय पर गहन, समावेशी और एक्शन–ओरिएंटेड कन्वर्सेशन चर्चाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 की थीम षगिव टू गेनष पर आधारित, जेजीयू का महिला सम्मेलन का दूसरा संस्करण महिलाओं के ज्ञान, रचनात्मकता, नेतृत्व और श्रम में निवेश से दीर्घकालिक सामूहिक सामाजिक, सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक लाभ के विचार को प्रमुखता देता है। भारत में दशकों से किए गए प्रयासों और सुधारों से महिलाओं के जीवन स्तर में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं, फिर भी लैंगिक भेदभाव अभी भी कायम है, और इसका प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों, सांस्कृतिक संदर्भों, घरों, कार्यस्थलों, रचनात्मक गतिविधियों और शैक्षणिक संस्थानों में महिलाओं पर पड़ता है। यह सम्मेलन शिक्षाविदों, विद्वानों, पेशेवरों, अधिवक्ताओं, नीति निर्माताओं, संस्था निर्माताओं, राजनयिकों, सरकारी अधिकारियों और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को एक साथ लाता है ताकि चिंतन, संवाद और सामूहिक कल्पना के लिए एक साझा मंच तैयार किया जा सके।

विधायक ने सदन में बगहा को राजस्व जिला बनाने की मांग की

बिहार, (एजेंसी)। विधानसभा सत्र के दौरान बगहा के भाजपा विधायक राम सिंह ने सदन के पटल पर बगहा को राजस्व जिला घोषित करने की मांग को जोरदार ढंग से उठाया। उन्होंने सरकार से इस संबंध में स्पष्ट जवाब देने की मांग करते हुए कहा कि बगहा की जनता वर्षों से इस न्यायोचित मांग को लेकर आवाज उठाती रही है। विधायक ने कहा कि बगहा को राजस्व जिला का दर्जा मिलने से क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को नई गति मिलेगी। प्रशासनिक सुदृढ़ता बढ़ेगी और आमजन को विभिन्न सरकारी कार्यों के लिए दूर–दराज के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान व्यवस्था के कारण स्थानीय लोगों को राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जानकारी हो कि बगहा क्षेत्र में कानून–व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बगहा को वर्ष 1996 में पुलिस जिला बनाया गया था,उस समय नरकटिया दोन में सात किसानों की हत्या के बाद तत्कालीन सरकार ने यह निर्णय लिया था।बगहा को अलग पुलिस जिला बनाने का मुख्य उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्र (नेपाल सीमा) में बेहतर निगरानी और अपराध नियंत्रण करना था। आरके मल्लिक की बतौर एसपी बगहा में पदस्थापना हुई।

एक तरफ कांग्रेस से गठबंधन पर बात, दूसरी ओर स्टालिन ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

चेन्नइ, (एजेंसी)। वरिष्ठ नेता शनिवार को चेन्नई स्थित द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) के मुख्यालय अन्ना अरिवलयम पहुंचे, जहां उन्होंने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे की व्यवस्था पर चर्चा की। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि गठबंधन सहयोगी चुनाव से पहले औपचारिक विचार–विमर्श शुरू कर रहे हैं। इससे पहले शुक्रवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

(एआईसीसी) के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडंकर ने पुष्टि की कि द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत जारी है। मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डीएमके नेतृत्व से मुलाकात के बाद वे आगे की जानकारी देंगे और लोगों से धैर्य रखने और अटकलों से बचने का आग्रह किया। चोडंकर ने कहा कि हम डीएमके नेतृत्व के साथ गठबंधन के संबंध में बैठक करेंगे। उसके बाद हम आगे की जानकारी दे पाएंगे। कृपया पहले से किसी भी बात पर अटकलें न लगाएं। तमिलनाडु में गठबंधन व्यवस्था को लेकर चल रही राजनीतिक चर्चाओं के बीच यह बयान आया है। कांग्रेस और डीएमके नेतृत्व की बैठक के बाद सीट बंटवारे पर स्पष्टता आने की उम्मीद है। इस बीच, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कोयंबटूर में पार्टी के पश्चिमी क्षेत्र के बूथ स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि डीएमके भाजपा के सामने कभी नहीं झुकेगी। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए।

डिजिटल मानीटरिंग करेगा परिवहन विभाग : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा बैठक के दौरान निर्देश दिए कि आबकारी विभाग होली के दौरान विशेष सतर्कता बरते और अवैध व जहरीली शराब के किसी भी प्रकार के उत्पादन और बिक्री पर पूरी तरह अंकुश लगाए। वित्तीय वर्ष 2025–26 के फरवरी माह के अंत तक जीएसटी, वैट, आबकारी, स्टाम्प एवं पंजीकरण, परिवहन, ऊर्जा, भू–राजस्व और खनन विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व वृद्धि प्रदेश में विकास कार्यों की गति तय करता है। इस पर उन्हें बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए कर–राजस्व का वार्षिक लक्ष्य 2,95,000 करोड़ निर्धारित है, जिसके सापेक्ष फरवरी 2026 तक 1,96,177 करोड़ रुपये प्राप्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को टीम भावना, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के निर्देश

दिए। उन्होंने स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग से लैंड रिकॉर्ड डिजिटाइजेशन के लिए रजिस्ट्री कार्यालयों के आधुनिकीकरण की गति बढ़ाने को कहा। परिवहन विभाग को बसों की फिटनेस, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ठोस कार्ययोजना और नए रूट चिन्हित कर निजी बस संचालकों के सहयोग से बेहतर परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

जीएसटी व वैट से राजस्व एक लाख करोड़ पार

राज्य कर (जीएसटी, वैट) का लक्ष्य 1,75,725 करोड़ है, जिसके मुकाबले अभी तक 1,03,770 करोड़ का संग्रह प्राप्त हुआ है। इसमें जीएसटी के तहत 75,195 करोड़ और वैट से 28,575 करोड़ शामिल हैं। राज्य कर विभाग ने बताया कि जीएसटी 2.0 में एआई आधारित जोखिम विश्लेषण, बड़े पैमाने पर स्क्रूटनी, ई–इनवॉइसिंग और ई–वे बिल की प्रभावी निगरानी जैसे प्रयासों से सुधार हुआ है। एआई आधारित 1.59 लाख करदाताओं की जांच, 75 जिलों में संवाद कार्यक्रम, फर्जी आईटीसी पर नियंत्रण और 3,117 करोड़ की वसूली विभाग के प्रमुख परिणाम रहे।

आबकारी में जबर्दस्त तेजी, अबतक मिले 48000 करोड़

आबकारी विभाग ने बताया कि वार्षिक लक्ष्य 63,000 करोड़ है, जिसके सापेक्ष फरवरी तक 48,501 करोड़ का राजस्व मिला है। जो पिछले वर्ष के मुकाबले 13.2 प्रतिशत अधिक है।

देश को बदनाम करना पुरानी आदत : पीएम मोदी

अजमेर , (एजेंसी)। अजमेर के कायड़ विश्रामस्थली में शनिवार को आयोजित सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की देश और सेनाओं को बदनाम करने की पुरानी आदत रही है और वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत की छवि खराब करने की कोशिश करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पहले 'इंडियन नेशनल कांग्रेस' थी, लेकिन अब उसका स्वरूप बदल गया है। उन्होंने यह भी कहा कि देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने के प्रयासों के बीच ऐसी राजनीति उचित नहीं है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में दिल्ली में आयोजित वैश्विक एआई सम्मेलन का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में दुनिया के कई देशों के शीर्ष नेता और बड़ी कंपनियों के प्रमुख भारत की प्रशंसा कर रहे हैं। उनके अनुसार, इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ा है और देश की क्षमता को नई पहचान मिली है। सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

करीब 17 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से प्रदेश में आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी और विभिन्न क्षेत्रों में विकास को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इन प्रोजेक्ट्स के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और राजस्थान विकास के नए पथ पर आगे बढ़ेगा। कार्यक्रम में 21,800 युवाओं को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। मंच पर अंकिता मीणा, जिन्हें सीएचसी ऑफिसर के पद पर नियुक्ति मिली और मुकेश प्रजापत, जिन्हें जूनियर इंजीनियर के पद पर नियुक्ति दी गई, को प्रधानमंत्री ने स्वयं नियुक्ति पत्र सौंपे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले प्रदेश में पेपर लीक की खबरें सामने आती थीं, लेकिन अब पारदर्शिता के साथ युवाओं को अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (भ्च्ट) टीकाकरण अभियान की शुरुआत भी की। उन्होंने इसे सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया और कहा कि इससे बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण को मजबूती मिलेगी। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार 'डबल इंजन' मॉडल के तहत विकास कार्यों को गति दे रही है।

भाजपा क्षेत्रीय भाषाओं को खत्म कर हिंदी की सर्वोच्चता थोपना चाहती है : उद्धव ठाकरे का बयान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मराठी गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। ठाकरे ने भाजपा पर सांस्कृतिक वर्चस्व की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र की सत्ताधारी पार्टी क्षेत्रीय पहचान को मिटाकर हिंदी की सर्वोच्चता स्थापित करने के मिशन पर है। उद्धव ठाकरे मराठी गौरव दिवस के अवसर पर पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि भाजपा की नीति क्षेत्रीय भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों को खत्म करने की है क्योंकि वह हिंदी की सर्वोच्चता स्थापित करना चाहती है। ठाकरे ने दावा किया कि भाजपा शिवसेना (उबाठा) को खत्म करना चाहती है क्योंकि वह जानती है कि जब तक यह पार्टी अस्तित्व में है, 'मराठी मानुष' गर्व से खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र को एक क्षेत्रीय दल की जरूरत है और वह

दल शिवसेना (उबाठा) है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी को लोगों पर थोपा नहीं जाना चाहिए। ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी का उपयोग अनिवार्य करने वाली सरकार भी उन्हीं की थी। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार द्वारा मराठी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदम बाद की सरकारों द्वारा रोक दिए गए। उन्होंने यह भी कहा कि मराठी भवन का निर्माण अभी तक नहीं हुआ है। उद्धव ठाकरे का यह बयान ऐसे समय में आया है जब महाराष्ट्र में आगामी चुनावों को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है।

होली व रमजान पर्व को लेकर एसपी ग्रामीण व एसपी सिटी ने पैदल गस्त कर लोगो को कराया सुरक्षा का एहसास

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। होली एवं रमजान पर्व को शांति पूर्वक ढंग से सम्पन्न कराने के लिए एसएसपी डॉ0 गौरव ग्रोवर

के निर्देश पर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी व एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के नेतृत्व में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में संबंधित सीओ ने अपने–अपने अधीनस्थ प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष के साथ पैदल गस्त किया। एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने जहां एक ओर स्वयं सीओ सिटी श्रीयस त्रिपाठी व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पांडे व थाना क्षेत्र के सभी चौकी प्रभारियों के साथ चौक, रिकाबगगंज, नियावा सहित अन्य प्रमुख चौराहों व गलियों मे पैदल भ्रमण किया इस मौके पर उन्होंने होली व रमजान पर्व को शांतिपूर्वक ढंग से मनाने के लिए लोगों से अपील भी किया।इसके अलावा उनके निर्देश पर सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी के नेतृत्व मे प्रभारी निरीक्षक थाना राम जन्मभूमि अभिमन्यु शुक्ला, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या मनोज सिंह के साथ–साथ थाना अध्यक्ष पूरा कलंदर मनोज शर्मा विभिन्न स्थानों पर शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु फ्लैग मार्च कर आमजन को सुरक्षा को भरोसा दिलाया। इसके अलावा एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सीओ सदर अरविंद सोनकर, सीओ बीकापुर पियूष, सीओ रुदौली आशीष निगम, सीओ मिल्कीपुर ने अपने अधीनस्थ थानाध्यक्ष ध्प्रभारी निरीक्षक के साथ होली व रमजान त्यौहारों के दृष्टिगत पैदल गश्त कर संदिग्ध व्यक्तिध्वाहन की सघन चेकिंग की गयी। चेकिंग के दौरान पुलिस अधिकारियों ने साथ साथ लोगो से अपील किया कि इन त्यौहारों को सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए।

मंदिरों में चढ़ावे का पैसा सिर्फ हिंदू धर्म के विकास में हो खर्च - मनोज श्रीवास्तव

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा जो भी पैसे चढ़ाया जाए उसका सदुपयोग सिर्फ हिंदू धर्म के विकास मे हो।क्योंकि प्रायः यह देखा जा रहा है कि जो भी पैसा हिंदू धर्म का देश के प्रमुख मंदिरों पर आता है। उसका आधे से ज्यादा व्यय अलग–अलग संप्रदायों के विकास पर हो रहा है जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह बातें रविवार को पंचशील होटल में एक खास मुलाकात के दौरान भारतीय केसरिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने कहीं उन्होंने बताया कि सिर्फ करोड़ों रुपए ही नहीं बल्कि कई अरब रुपए देश के छोटे–बड़े हिंदू मंदिरों पर श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए जाते हैं परंतु इसका सदुपयोग हिंदू धर्म के विकास पर न होकर बल्कि गैर संप्रदाय के विकास पर हो रहा है जो की काफी गलत है उन्होंने कहा कि इसके लिए शीघ्र ही वे राष्ट्रव्यापी आंदोलन करेंगे। बताया कि मंदिर चढ़ावा धन के सदुपयोग हेतु राष्ट्रीय नीति प्रारूप तैयार किया जा रहा है।जिसमे मंदिरों में चढ़ाया गया धन भक्तों की आस्था,श्रद्धा और धर्मसमर्पण का प्रतीक है। अतः यह आवश्यक है कि इस धन का उपयोग पारदर्शी, उत्तरदायी और हिंदू समाज के उत्थान हेतु सुनियोजित रूप से किया जाए।

वार्षिक अनुमानित निधि

यदि प्रतिवर्ष लगभग रू1 लाख करोड़ उपलब्ध हों, तो इसे निम्न 5 प्रमुख क्षेत्रों में विभाजित किया जा सकता है। बताया कि इसके साथ क्षेत्र, प्रतिशत,वार्षिक राशि,शिक्षा व छात्रवृत्ति, 25% रू 25,000 करोड़ स्वरोजगार व कौशल विकास 30% रू30,000 करोड़,स्वास्थ्य सहायता 15% रू 15,000 करोड़,महिला व युवा सशक्तिकरण 15% रू15,000 करोड़, मंदिर संरक्षण व धर्म प्रचार15% रू15,000 करोड़,चरणबद्ध कार्ययोजना (10 वर्षीय मॉडल) (पहले 3 वर्ष) – आधार निर्माण प्रत्येक

जिले में "धर्म आधारित कौशल केंद्र"गरीब परिवारों की डिजिटल पहचान,मंदिर आय की पूर्ण पारदर्शिता पोर्टल 1 करोड़ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण,3 करोड़ परिवारों को आर्थिक आधार देना है। वही चरण 2 (4–7 वर्ष) – आत्मनिर्भरता बिना ब्याज लघु ऋण योजना मंदिर आधारित सामुदायिक उद्योग, महिला स्वयं सहायता समूह को पूंजी, धार्मिक शिक्षा, आधुनिक शिक्षा का समन्वय,लक्ष्य– 7–8 करोड़ लोगों को स्थायी रोजगार है। चरण 3 (8–10 वर्ष) – स्थायी उत्थान हिंदू छात्र छात्रवृत्ति कोष ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन,मंदिरों को सामाजिक सेवा केंद्र बनाना।निर्धन परिवारों को पूर्ण आर्थिक स्वावलंबन बनाना। गरीबी रेखा से बड़े स्तर पर उन्मूलन है। प्रशासनिक ढांचा मे राष्ट्रीय मंदिर विकास प्राधिकरण (स्वायत्त) जिला स्तर पर हिंदू समाज प्रतिनिधि समिति,वार्षिक सामाजिक ऑडिट ऑनलाइन सार्वजनिक लेखा प्रणाली है।बताया कि संभावित परिणाम यदि पारदर्शिता व ईमानदारी से लागू किया जाए तो 7–10 वर्षों में व्यापक आर्थिक सुधार होगा,और 10 वर्षों में बड़ी संख्या में परिवार गरीबी रेखा से ऊपर हिंदू समाज में शिक्षा व स्वरोजगार की मजबूत नींव मंदिर सामाजिक सेवा के केंद्र बनेंगे। प्रमुख सिद्धांत चढ़ावा भक्त की भावना का सम्मान, धन का उपयोग धर्म व समाज हित में,पूर्ण पारदर्शिता, राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त प्रबंधन समाज की भागीदारी हो।

चुनाव से पहले ममता का महिला सुरक्षा पर जोर, कोलकाता में पिंक बूथ और शाइनिंग पेट्रोलिंग टीमों का ऐलान

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगामी चुनाव से पहले महिलाओं की सुरक्षा मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कोलकाता पुलिस की दो नई पहलों की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि शहर के प्रमुख चौराहों पर ऑल–वुमन पिंक बूथ स्थापित किए जाएंगे, जो शाम से लेकर आधी रात तक संचालित रहेंगे। इन बूथों पर तैनात महिला पुलिसकर्मी सीधे तौर पर महिलाओं की सहायता और शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि इन पिंक बूथों के जरिए शहर की महिलाएं जरूरत पड़ने पर सीधे महिला अधिकारियों से संपर्क कर सकेंगी, जिससे सुरक्षा के प्रति भरोसा और बढ़ेगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने शाइनिंग नाम से ऑल–वुमन मोबाइल पेट्रोलिंग टीमों की तैनाती की भी घोषणा की। ये टीमें रात 8 बजे से सुबह 2 बजे तक ईएम बाइपास और शहर की अन्य प्रमुख सड़कों पर गश्त करेंगी, जिनका इस्तेमाल बड़ी संख्या में कामकाजी महिलाएं रात के समय करती हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि कोलकाता वर्षों से देश का सबसे सुरक्षित शहर बना हुआ है और ये दो नई पहल महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को और सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी। कोलकाता पुलिस के अधिकारियों द्वारा इन पहलों की तैनाती, संचालन और रणनीति से जुड़े विस्तृत दिशा–निर्देश जल्द साझा किए जाने की उम्मीद है।

मोदी और शाह ने की बड़ी साजिश, कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कथित दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने दोनों को बरी कर दिया है। इस फैसले पर अरविंद केजरीवाल अपने आवास से पार्टी दफ्तर तक रोड शो किया। रोड शो के दौरान उन्होंने अपने हाथ में गदा लेकर समर्थकों का अभिवादन किया।

केजरीवाल ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया और पीएम मोदी और अमित शाह पर हमला करते हुए कहा कि इन्होंने आम आदमी पार्टी के खिलाफ बड़ी साजिश रची। इन्हें जब लगा कि ये हमें दिल्ली में नहीं हरा सके तो इन्होंने ये साजिश की। आज पीएम मोदी और अमित शाह को माफी मांगनी चाहिए। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि प्रथम दृश्य कोई भी आपराधिक षड्यंत्र नहीं मिला है। कोर्ट सीबीआई मामले में सुनवाई कर रही थी। उधर, सीबीआई सूत्र के मुताबिक, सीबीआई इस फैसले को चुनौती देने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट जाएगी।इससे पहले 12 फरवरी को हुई सुनवाई में अदालत ने आरोप तय करने के मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

संपादकीय

यूरोपीय देशों की मुश्किल

यूरोपीय देशों की मुश्किल यह है कि अमेरिका का साया उन पर नहीं रहा, रूस से उनकी दुश्मनी है, और चीन को वे अपने आर्थिक हितों के लिए खतरा मानते हैं। जबकि आज की दुनिया में यही सबसे बड़ी ताकतें हैं। पिछले महीने दावोस में हुए वर्ल्ड इकॉनमिक फोरम के बाद अब जर्मनी में हुए म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में दुनिया में आए आमूल परिवर्तन से पैदा हुई चुनौतियां की गूंज सुनने को मिली। दावोस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी जो कहा, उसे म्यूनिख में जर्मन चांसलर फ्रीडरिक मर्त्ज और अन्य यूरोपीय नेताओं ने दोहराया। स्वाभाविक रूप से यूरोपीय नेता इस परिवर्तन से अधिक परेशान हैं, क्योंकि नई परिस्थितियों में अमेरिका उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी से मुकरता नजर आया है। उलटे डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने रूस से तार जोड़ लिए हैं, जिसे यूरोपीय सरकारें अपने लिए सबसे बड़ा खतरा मानती हैं। जर्मन चांसलर ने म्यूनिख में अपने यूरोपीय सहयोगियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि श्नियम आधारित्य पुरानी विश्व व्यवस्था अब मौजूद नहीं है। उसकी जगह महाशक्तियों की होड़ ने ले ली है। मर्त्ज ने इसे यूरोप के लिए खतरे की घंटी बताया। कहा कि हम अब एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं, जो खुले तौर पर ताकत और सत्ता की राजनीति से परिभाषित होता है– जहां हर नियम–कायदे पर राष्ट्रीय हितों को तरजीह दी जा रही है। वैश्विक शक्ति संतुलन में अमेरिका की स्थिति पर भी उन्होंने स्पष्ट राय रखी। चेतावनी दी कि वैश्विक नेतृत्व पर अमेरिका का दावा अब चुनौती के घेरे में है– शायद यह खो भी चुका है। नतीजतन, दुनिया अब अनिश्चितता के दौर में है। यूरोपीय देशों की मुश्किल यह है कि अमेरिका का साया उन पर नहीं रहा, रूस से उनकी दुश्मनी है, और चीन को वे अपने आर्थिक हितों के लिए खतरा मानते हैं। जबकि आज की दुनिया में यही सबसे बड़ी ताकतें हैं। म्यूनिख में चीन की कई नेताओं ने यह कहते हुए कड़ी आलोचना की कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था सुनियोजित रूप से दूसरे देशों की निर्भरता का फायदा उठाती है। चीन अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की नई व्याख्या कर रहा है और नियमों को अपने हिसाब से तोड़–मरोड़ रहा है। मगर करें क्या? इस सवाल पर कोई साफ समझ सामने नहीं आई। इस रूप में म्यूनिख दावोस का एक और संस्करण बनकर रह गया।

एआई जनित कला में आत्मा का अभाव

रजनीश कपूर

एआई का सबसे घातक प्रभाव रचनात्मकता पर पड़ रहा है। पहले कलाकार, लेखक और संगीतकार अपनी कल्पना से कृतियां रचते थे। अब मिडजर्नी या डैल–ई जैसे टूल्स प्रॉम्प्ट पर चित्र बना देते हैं, वो भी सुंदरता भरे। लेकिन क्या यह रचनात्मकता है? शिखर सम्मेलन में भारतीय कलाकारों ने प्रदर्शन किया कि एआई जनित कला में आत्मा का अभाव है। यह डेटा पर आधारित नकल मात्र है। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। स्मार्टफोन से लेकर स्मार्ट होम तक, हर जगह एआई की छाप दिखाई देती है। इस सप्ताह नई दिल्ली में शुरू हुए अंतरराष्ट्रीय एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन में विश्व के नेता और विशेषज्ञ इसी पर चर्चा कर रहे हैं। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एआई के वैश्विक प्रभावों को समझना और नीतियां बनाना है, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या हम एआई को अपनाते हुए अपनी स्वतंत्रता और रचनात्मकता को खो नहीं रहे? एआई ने सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन साथ ही हमें इतना आश्रित बना दिया है कि बिना इसके सोचना भी मुश्किल हो गया है। सोचने वाली बात यह भी है कि कैसे एआई जीवन को सरल बना रहा है, लेकिन रचनात्मकता को नष्ट कर रहा है। एआई की निर्भरता अब दैनिक जीवन का हिस्सा बन गई है। कल्पना कीजिए, सुबह उठते ही गूगल असिस्टेंट या सिरी आपको मौसम, ट्रैफिक और समाचार बता देता है। कार्यालय में ईमेल लिखने से लेकर डेटा विश्लेषण तक, चौटजीपीटी जैसे टूल्स सब कुछ तुरंत कर देते हैं। भारत में, जहां डिजिटल इंडिया अभियान ने 80 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता पैदा किए हैं, एआई आधारित ऐप्स जैसे उबर, जोमैटो, ब्लिंकिट आदि ने जीवन को अभूतपूर्व सरलता प्रदान की है। दिल्ली में हुआ अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में अमेरिकी विशेषज्ञों ने बताया कि एआई ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में 15 ट्रिलियन डॉलर का योगदान दिया है, लेकिन यह निर्भरता खतरनाक साबित हो रही है। एक सर्वे के अनुसार, 70त्न युवा बिना एआई टूल्स के रिसर्च नहीं कर पाते। समस्या तब गंभीर हो जाती है जब बिजली चली जाए या इंटरनेट कनेक्टिविटी बाधित हो जाए तो लोग हतप्रभ रह जाते हैं। यह निर्भरता शिक्षा क्षेत्र में सबसे अधिक दिखाई दे रही है। छात्र अब निबंध लिखने के बजाय एआई से कॉपी–पेस्ट कर लेते हैं। कोटा के कोचिंग संस्थानों से लेकर आईआईटी तक, एआई टूल्स ने होमवर्क को आसान बना दिया, लेकिन समझ की गहराई कम कर दी। शिखर सम्मेलन के एक सत्र में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि एआई जनित सामग्री से छात्रों की आलोचनात्मक सोच 30त्न घटी है। भारत में एनसीईआरटी ने एआई उपयोग पर दिशानिर्देश जारी किए हैं, लेकिन फिलहाल इसका अमल कमजोर है। परिणामस्वरूप, आने वाली पीढ़ी समस्या–समाधान के बजाय श्प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंगत्र सीख रही है, यानी एआई को सही सवाल कैसे पूछें। यह निर्भरता मानसिक आलस्य को जन्म दे रही है, जहां स्वयं सोचने की क्षमता क्षीण हो रही है। एआई का सबसे घातक प्रभाव रचनात्मकता पर पड़ रहा है। पहले कलाकार, लेखक और संगीतकार अपनी कल्पना से कृतियां रचते थे। अब मिडजर्नी या डैल–ई जैसे टूल्स प्रॉम्प्ट पर चित्र बना देते हैं, वो भी सुंदरता भरे। लेकिन क्या यह रचनात्मकता है? शिखर सम्मेलन में भारतीय कलाकारों ने प्रदर्शन किया कि एआई जनित कला में आत्मा का अभाव है। यह डेटा पर आधारित नकल मात्र है। उदाहरणस्वरूप, बॉलीवुड में एआई स्क्रिप्ट राइटर आ रहे हैं, जो पुरानी फिल्मों के पैटर्न दोहराते हैं। नतीजा? नवीनता का लोप। एक अध्ययन बताता है कि एआई सहायता से बनी कहानियां 40त्न कम मूल होती हैं। लेखन में भी यही समस्यादिखाई दी जाती है। एआई से उत्पन्न संपादकीय या कविताएं सतही लगती हैं, क्योंकि उनमें व्यक्तिगत अनुभव का पुट नहीं। रचनात्मकता नष्ट होने का एक कारण एआई की श्परफेक्शनत्र है। यह त्रुटिरहित उत्तर देता है, जिससे मानव प्रयास कमजोर लगने लगते हैं। कल्पना कीजिए एक चित्रकार को, वह घंटों ब्रश चलाता है, गलतियां सुधारता है और यही प्रक्रिया रचनात्मकता को परिपक्व बनाती है। परंतु एआई में यह संघर्ष नहीं होता। शिखर सम्मेलन के दौरान रिलीज हुई एक रिपोर्ट में कहा गया कि एआई ने वैश्विक पेटेंट आवेदनों में 25Ru वृद्धि की, लेकिन अधिकांश श्इंक्रीमेंटलत्र हैं, यानी नई खोजें कम हैं। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां स्टार्टअप संस्कृति फल–फूल रही है, एआई निर्भरता नवाचार को कुचल सकती है। उदाहरण के तौर पर, फिनटेक क्षेत्र में एआई एल्गोरिदम ऋण स्वीकृति करते हैं, लेकिन सृजनात्मक समाधान गायब हैं। इसके अलावा, एआई नैतिक दुविधाओं को भी जन्म दे रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के कूटनीतिक निहितार्थ

कमलेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इजरायल यात्रा भारत–इजरायल संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो वैश्विक भू–राजनीति में बदलते समीकरणों को दर्शाती है। यह यात्रा पश्चिम एशिया की अस्थिरता के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देती है। इस बार मोदी ने इजरायल संसद केनेसेट को संबोधित किया, जहां उन्होंने 7 अक्टूबर 2023 हमले के बाद भारत के इजरायल समर्थन की पुष्टि की और ईरान द्वारा शह प्राप्त हमास की मानवता द्रोही कार्रवाई की भर्त्सना की। इसके अलावा, नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय वार्ता में रक्षा, व्यापार और आतंकवाद विरोधी सहयोग पर जोर दिया। देखा जाए तो यह 2017 के बाद पीएम मोदी की दूसरी इजरायल यात्रा 2026 में हुई, जो द्विपक्षीय व्यापार को कई अरब डॉलर तक ले जाने में सहायक सिद्ध हुई। जहां तक इस यात्रा के रणनीतिक महत्व की बात है तो यह यात्रा बढ़ते ईरान–अमेरिका तनाव और अमेरिकी नौसेना की तैनाती के बीच हुई, जो इजरायल को मजबूती प्रदान करती है। वहीं नेतन्याहू का प्रस्तावित हेक्सागन गठबंधन (भारत, इजरायल, ग्रीस, साइप्रस आदि) चीन– पाकिस्तान –तुर्की धुरी के विरुद्ध एक रणनीतिक संतुलन भी बनाता है। यह वैश्विक कूटनीति में नहले पर दहले की तरह समझा जा रहा है। जिस तरह से भारत, इजरायल का सबसे बड़ा हथियार खरीदार बन चुका है, उससे दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व की सुरक्षा का समीकरण प्रभावित होना स्वाभाविक है। इससे अमेरिका, चीन, रूस और यूरोपीय देशों को भी भारत की कूटनीतिक स्वायत्तता का एहसास हुआ है, जो भारत को एशिया की दूसरी और दुनिया की तीसरी–चौथी महत्वपूर्ण शक्ति बनाने की दिशा में सक्रिय है। जहां तक इस यात्रा के आर्थिक आयामों की बात है तो दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर सकारात्मक चर्चा हुई, जो दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए गेम–चेंजर साबित हो सकता है। खासकर IMEC कॉरिडोर (भारत–मध्य पूर्व–यूरोप) पर UAE के साथ त्रिपक्षीय सहयोग से वैश्विक व्यापार को एक नया आकार मिलने की संभावना है। वहीं कृषि, जल प्रबंधन और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में इजरायली विशेषज्ञता भारत के विकास को काफी बढ़ावा देगी। शायद यही वजह है कि अरब जगत में खलबली मची है और इस्लामिक कट्टरता को हवा देने वाले पश्चिमी और पूर्वी देशों में बेचैनी भी। इस प्रकार की वैश्विक प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। जहां मोदी की इजरायल यात्रा से इस्लामी देशों की मीडिया में खलबली मची, क्योंकि यह श्इस्लामी उग्रवादश् विरोधी एक्सिस का संकेत माना गया। वहीं फिलिस्तीन समर्थन बनाए रखते हुए अमेरिका को सिग्नल देते हुए भारत ने ग्लोबल साउथ में संतुलित भूमिका निभाई,। वहीं इस यात्रा ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की वैश्विक छवि को मजबूत किया, जो गाजा संकट के बीच चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं कि आए दिन बढ़ते वैश्विक इस्लामिक कट्टरता परस्त आतंकवाद, भीड़ हिंसा और लक्षित हमलों से भारत और इजरायल दोनों को खतरा है, इसलिए उनकी पारस्परिक और लाभप्रद एकजुटता भारत– इजरायल विरोधी देशों को चुभती रहती है। चूंकि भारत और इजरायल के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध 1992 में स्थापित हुए, जबकि भारत ने 1950 में ही इजरायल को मान्यता दी थी। खासकर मोदी सरकार के नेतृत्व में 2014 से द्विपक्षीय संबंध तेजी से मजबूत हुए, जिसमें उच्च स्तरीय यात्राएं और रक्षा–सहयोग प्रमुख रहे। इससे द्विपक्षीय लाभ में वर्ष दर वर्ष बढ़ोतरी दृष्टिगोचर हुई। रक्षा और सुरक्षा सहयोग के मद्देनजर इजरायल भारत का प्रमुख रक्षा आपूर्तिकर्ता है, जो ड्रोन, मिसाइल और खुफिया प्रणालियां प्रदान करता है। दोनों देश आतंकवाद विरोधी प्रयासों में एकजुट हैं, जो सीमा–पार खतरों से निपटने में सहायक सिद्ध होता है। जहां तक आर्थिक और तकनीकी साझेदारी की बात है तो व्यापार में भारत इजरायल का एशिया में दूसरा सबसे बड़ा साझेदार है, जिसमें कृषि, जल प्रबंधन, एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग शामिल हैं। I2U2 (भारत, इजरायल, यूएई, अमेरिका) और प्डम्ब जैसे मंच आर्थिक गलियारों को बढ़ावा देते हैं। भारत–इजरायल की दोस्ती से भू–राजनीतिक प्रभाव भी बढ़ा है। यह दोस्ती जहां चीन की मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया में बढ़ती प्रभाव को संतुलित करने में मदद करती है। वहीं ईरान–प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक ध्रुव बनाकर स्थिरता सुनिश्चित होती है, जबकि भारत फिलिस्तीन समर्थन बनाए रखता है। इससे वैश्विक मंचों पर भी सामंजस्य बढ़ा है। खासकर संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर दोनों आतंकवाद–विरोध और सुधारों पर सहमत हैं। 2026 में संयुक्त कार्ययोजना से कूटनीति, साइबर और संस्कृति में सहयोग बढ़ेगा। यह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूत करता है। भारत–इजरायल संबंधों को प्2न्2 गठबंधन ने नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। यह समूह (भारत, इजरायल, यूएई, अमेरिका) दोनों देशों के बीच सहयोग को बहुपक्षीय रूप प्रदान करता है। I2U2 ने जल, ऊर्जा, परिवहन, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा जैसे छह क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा दिया है। भारत और इजरायल के बीच तकनीकी साझेदारी, जैसे सौर ऊर्जा परियोजनाएं और खाद्य पार्क, इसी से मजबूत हुई। जहां तक अब्राहम समझौते के लाभ की बात है तो अब्राहम समझौते के बाद यूएई–इजरायल संबंध सामान्य होने से भारत बिना फिलिस्तीन संबंधों को नुकसान पहुंचाए इजरायल से गहरा जुड़ाव बना पाया। इससे भारत की पश्चिम एशिया नीति में संतुलन आया। भू–राजनीतिक मजबूती मिली। यह गठबंधन चीन के मध्य पूर्व प्रभाव को काउंटर करता है, जबकि भारत–इजरायल रक्षा और साइबर सहयोग बढ़ा। प्2न्2 ने प्डम्ब जैसे कॉरिडोर को सपोर्ट किया, जो भारत की कनेक्टिविटी रणनीति को मजबूत करता है। अतीत की बात करें तो मोदी की 2017 इजरायल यात्रा ने भारत–इजरायल संबंधों को ऐतिहासिक मोड़ दिया। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी, जिसने द्विपक्षीय सहयोग को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा प्रदान किया। इससे रक्षा सहयोग में उछाल आया। यात्रा के दौरान रक्षा समझौतों पर जोर दिया गया, जिसमें मिसाइल प्रणाली और ड्रोन तकनीक शामिल थी। नेतन्याहू के साथ मोदी की साझा सड़क यात्रा ने आतंकवाद–विरोधी एकजुटता को मजबूत किया। वहीं कृषि और जल प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस परियोजनाओं का विस्तार हुआ, जो भारत के किसानों को ड्रिप इरिगेशन जैसी तकनीक प्रदान करती हैं।

इनसे द्विपक्षीय व्यापार +5 बिलियन से अधिक पहुंचा। वहीं नवाचार और स्टार्टअप सेतु इनोवेशन ब्रिज पहल ने स्टार्टअप्स और साइबर सुरक्षा में सहयोग बढ़ाया। यात्रा ने I2U2 जैसे बहुपक्षीय मंचों की नींव रखी, जो अब्राहम समझौते से जुड़े। यह भारत की पश्चिम एशिया नीति को संतुलित बनाती है।

अर्थव्यवस्था का एक नया नजरिया- भारत के जीडीपी के आधार में संशोधन को समझना

श्री सौरभ

सकल घरेलू उत्पाद या जीडीपी किसी देश की अर्थव्यवस्था के आकार और उसकी सेहत को आंकने का एक तरीका है। यह एक राष्ट्र का वह रिपोर्ट कार्ड है, जो हमें बताता है कि वह देश वस्तुओं और सेवाओं के लिहाज से कितना उत्पादन कर रहा है। जब जीडीपी बढ़ रही होती है, तो आमतौर पर इसका मतलब होता है कि कारोबार जगत वस्तुओं एवं सेवाओं का अधिक उत्पादन कर रहा है, अधिक संख्या में लोगों को रोजगार मिल रहा है और आय बढ़ रही है। वैश्विक स्तर पर भी जीडीपी का बेहद महत्व होता है। वर्तमान में भारत विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है और अनुमान है कि 2030 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

अर्थव्यवस्था को मापने के एक साधन के रूप में, जीडीपी को अर्थव्यवस्था की सही नब्ज को पहचानने के उद्देश्य से नियमित रूप से संशोधित करते रहने की जरूरत होती है। इस काम को बदलती अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बनाए रखने के इरादे से जीडीपी के आधार वर्ष को नियमित अंतराल पर अद्यतन करके पूरा किया जाता है। जैसे–जैसे अर्थव्यवस्था के स्वरूप बदलता जाता है और नए उद्योग उभरते हैं, उपभोग के पैटर्न बदलते हैं तथा आंकड़ों के नए स्रोत विकसित होते हैं, इन संशोधनों से आधिकारिक आंकड़ों को असली हकीकतों के अनुरूप ढालने में मदद मिलती है और अनुमान अधिक सटीक व ठोस बन जाते हैं। आधार में पिछले संशोधन के बाद से आंकड़ों के नए स्रोतों की उपलब्धता ने हमें जीडीपी में अलग–अलग सेक्टरों और अलग–अलग क्षेत्रों के योगदानों को अधिक स्पष्ट रूप से देखने और बेहतर तरीकों को अपनाने में मदद की है। उदाहरण के लिए, अनौपचारिक क्षेत्र को भी व्यापक रूप से कवर करने वाले गैर–निगमित क्षेत्र द्वारा मूल्य वर्धन का अनुमान लगाने में संदर्भ में। जीडीपी के आधार में पिछले संशोधन के बाद से, कंपनियों के प्रबंधन एवं प्रशासन संबंधी आंकड़े (एमजीटी–7ध्7ए) जैसे कुछ नए किस्म के आंकड़े उपलब्ध हुए हैं। ये आंकड़े कंपनियों द्वारा की जाने वाली व्यावसायिक गतिविधियों की संख्या, एनआईसी 2008 के अनुसार व्यावसायिक गतिविधि के विवरण और प्रत्येक वर्ष प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि (उद्योग) से प्राप्त प्रतिशत कारोबार (टर्नओवर) की जानकारी प्रदान करते हैं। इसलिए, आधार का पुनर्निर्धारण करते समय बहु–गतिविधियों वाले उद्यमों के लिए मूल्यवर्धन को अब पहले की तरह पूरी तरह से मुख्य गतिविधि को आवंटित करने के बजाय नए उपलब्ध एमजीटी–7 के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न गतिविधियों में आवंटित किया जाता है। इस बदलाव से हमें अलग–अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से समझने में मदद मिलती है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि अर्थव्यवस्था को किस प्रकार संचालित कर रही है। जिस प्रकार कंपनी स्तर के नए आंकड़े हमें अलग–अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से मापने में मदद करते हैं, ठीक वैसे ही नई श्रृंखला में जीएसटी आंकड़ों के बेहतर उपयोग से अन्य बातों के अलावा, निजी कॉरपोरेट सेक्टर से संबंधित क्षेत्रीय आवंटन में सुधार और राज्य स्तर पर व्यय–पक्ष के अनुमानों के बेहतर संकलन के जरिए जीडीपी में क्षेत्रीय योगदानों का अधिक सटीक और सूक्ष्म दृष्टिकोण हासिल होता है। एएसयूएसई और पीएलएफएस जैसे सर्वेक्षणों से हासिल वार्षिक आंकड़ों की उपलब्धता, जिसकी सुविधा पहले नहीं थी, ने हमें गैर–निगमित क्षेत्र द्वारा वार्षिक रूप से मूल्यवर्धन का अनुमान लगाने की एक बेहतर पद्धति अपनाने में समर्थ बनाया है। पहले हम अन्य संकेतकों से अप्रत्यक्ष रूप से जीडीपी में इसके योगदान का अनुमान लगाते थे। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि लाखों घरेलू व्यवसायों, छोटी दुकानों और स्वरोजगार श्रमिकों से मिलकर बना यह सेक्टर अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है और रोजगार एवं आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जीडीपी के आधार में संशोधन महज आंकड़ों के नए स्रोतों के उपयोग से कहीं आगे की बात है। यह कार्यप्रणाली में सुधार से भी जुड़ा है और इस संदर्भ में, जीडीपी की नई श्रृंखला में कई कार्यप्रणालीगत सुधार देखे गए हैं। पहले, कीमतों में बदलाव के अनुसार जीडीपी को समायोजित करने की दोहरी अपस्फीति (डबल डिफ्लेशन) विस्तृत विधि सिर्फ कृषि क्षेत्र में ही लागू होती थी। वर्ष 2022–23 की नई श्रृंखला में दोहरी अपस्फीति विधि का विस्तार करके इसे मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र तक ले आया गया है, जहां अब पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध हैं और अन्य सभी क्षेत्रों में एकल बहिर्वेशन (सिंगल एक्सट्रपलेशन)/ मात्रात्मक बहिर्वेशन (वॉल्यूम एक्सट्रपलेशन) विधि का उपयोग किया जाता है। यह दृष्टिकोण उपलब्ध आंकड़ों का सर्वोत्तम उपयोग करता है, जिससे अनुमान सटीक और विश्वसनीय बने रहते हैं। दोहरी अपस्फीति में बहुत अधिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसके लिए आउटपुट और इनपुट दोनों की कीमतों पर विस्तृत जानकारी की जरूरत होती है। जैसे–जैसे समय के साथ यह आंकड़ा और अधिक उपलब्ध होता जाएगा, हम इसके उपयोग का विस्तार और अधिक क्षेत्रों में कर सकेंगे। कार्यप्रणाली की दृष्टि से एक उल्लेखनीय सुधार यह है कि अर्थव्यवस्था के अनुमानों को उत्पादित वस्तुओं (उत्पादन पक्ष) और लोगों एवं कारोबार जगत द्वारा किए गए व्यय (खर्च पक्ष) के आधार पर ढाला गया है। ये दोनों पक्ष अक्सर पूरी तरह से मेल नहीं खाते, जो कि दुनिया के तमाम देशों में और खासकर तिमाही जीडीपी के मामले में, एक आम समस्या है। इस समस्या को दूर करने के उद्देश्य से नई श्रृंखला में श्आपूर्ति एवं उपयोग सारणीत्र के ढांचे का उपयोग किया जा रहा है ताकि प्रारंभिक अनुमानों में विसंगतियों को सीमित किया जा सके और अंतिम अनुमानों के समय पूरे आंकड़े उपलब्ध होने पर उन्हें पूरी तरह से दूर किया जा सके। जीडीपी के आंकड़ों को अद्यतन करना अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट नजरिए से देखने जैसा है। हर आर्थिक गतिविधि, चाहे छोटी हो या बड़ी, स्पष्ट रूप से सामने आती है और राष्ट्र के विकास में उसके योगदान का सटीक तरीके से उजागर होता है। बेहतर आंकड़ों का उपयोग करके, विधियों को परिष्कृत करके और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के अनुरूप ढलकर, मंत्रालय ने अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट रूप से पेश किया है। नागरिकों के लिए इसका मतलब यह है कि अब नीतियां एवं सार्वजनिक सेवाएं अर्थव्यवस्था की कार्यप्रणाली की सटीक समझ पर आधारित हैं, जिससे विकास का असर सिर्फ कागजों पर ही नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी महसूस हो रहा है।

वोट के लिए मुफ्त की रेवड़ी से कर्जे के अंधकूप में देश

योगेंद्र

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओ त्से–तुंग ने कहा था कि किसी आदमी को एक मछली दो और तुम उसे एक दिन के लिए खिलाओगे। उसे मछली पकड़ना सिखाओ और तुम उसे जिंदगी भर खिलाओगे। आज के भारतीय शब्दों में यह है कि हर नेता जो मुफ्त चीजों का वादा करता है, असल में यह कह रहा है कि मैं तुम्हें एक अच्छी रोजी–रोटी और रेगुलर इनकम की इज्जत नहीं दे सकता। इसलिए अभी के लिए यह कुछ है, इसी से काम चला लो। चुनाव आते ही मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए राजनैतिक दलों में मुफ्त की रेवड़ी बाँटने की होड़ लग जाती है। कोई मुफ्त बिजली और पानी देने की बात करता है तो कोई स्मार्टफोन, लैपटॉप, साइकिल और टीवी की बात करता है। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त सुविधाएं देने की संस्कृति की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक याचिका दायर कर उपभोक्ताओं की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को निरूशुल्क बिजली प्रदान करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) सरकार के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी की मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया है। बिजली वितरण कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट में विद्युत संशोधन नियम, 2024 के एक नियम को चुनौती दी थी। इस पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मुफ्त की चीजें देकर राज्य सरकारें लोगों की आदतें खराब कर रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि इन लोगों का रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कई राज्य सरकारें कर्ज और घाटे से दबी हुई हैं। इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने पूछा कि बिजली शुल्क अधिसूचित होने के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक जेब ढीली करने का फैसला क्यों किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा राज्यों को रोजगार के रास्ते खोलने के लिए काम करना चाहिए। अगर आप सुबह से शाम तक मुफ्त भोजन देना शुरू कर देंगे, फिर मुफ्त साइकिल, मुफ्त बिजली देंगे, तो कौन काम करेगा और फिर कार्य संस्कृति का क्या होगा। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से कहा कि वैलफेयर के तौर पर आप उन लोगों को देना चाहते हैं जो बिजली का चार्ज नहीं दे सकते, लेकिन जो लोग खर्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते, उनके बीच फर्क किए बिना, आप बांटना शुरू कर देते हैं। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2026–27 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। इसमें अनुमान के मुताबिक, राज्य का कुल बकाया कर्ज बढ़कर 10.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इस बढ़ते कर्ज के लिए वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने केंद्र को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र तमिलनाडु में वित्तीय अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की मंजूरी नहीं दे रही है और केंद्र प्रायोजित योजनाओं का फंड रोक रही है। उन्होंने जीएसटी दरों में कटौती और 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर भी निराशा जताई। मंत्री थेन्नारसु के अनुसार संघीय ढांचे में राज्यों के साथ ऐसा अनुचित व्यवहार पहले कभी नहीं देखा गया। द्रमुक (डीएमके) सरकार ने अपनी फ्लैगशिप योजनाओं के लिए फंड की कमी नहीं होने दी। महिलाओं के लिए 'विदियाल पयानम' योजना (मुफ्त बस यात्रा) के लिए 4,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। इसके अलावा, छात्रों के लिए बस किराए की योजना हेतु 1,782 करोड़ रुपये और डीजल सब्सिडी के लिए 1,857 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कुल मिलाकर परिवहन विभाग को 13,062 करोड़ रुपये मिले। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए भी सरकार ने 5,463 करोड़ रुपये का बड़ा हिस्सा अलग रखा है। तमिलनाडु में पिछले 4 वर्षों में प्रति परिवार कर्ज तेजी से बढ़कर लगभग 3.7 लाख रुपए तक पहुंच गया है, जो राज्य की गंभीर वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार तमिलनाडु पर देश में सर्वाधिक 8.34 लाख करोड़ रुपये कर्ज है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है। इस पर 7.69 लाख करोड़ रुपये कर्जा है। इसी तरह महाराष्ट्र पर 7.22 लाख करोड़, पश्चिम बंगाल पर 6.58 लाख करोड़ रुपये, कर्नाटक पर 5.97 लाख करोड़ रुपये, राजस्थान पर 5.62 लाख करोड़ रुपये, आंध्र प्रदेश पर 4.85 करोड़ रुपये का कर्जा है। गुजरात पर 4.67 लाख करोड़ रुपये, केरल पर 4.29 लाख करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश पर 4.18 लाख करोड़ रुपये, तेलंगाना पर 3.89 लाख करोड़ रुपये, पंजाब पर 3.51 लाख करोड़ रुपये, हरियाणा पर 3.36 लाख करोड़ रुपये, बिहार पर 3.19 लाख करोड़ रुपये और असम पर 1.51 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। वर्ष 2016–17 के बाद कर्ज पर निर्भरता लगातार बढ़ती गई। वोट बैंक की राजनीतिक के कारण ऐसी लोकलुभावन मुफ्त की योजनाओं के कारण छोटा पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश डेब्ट ट्रैप में फंस गया है। आलम यह है कि हिमाचल सरकार के पास लिए गए कर्ज की मूल रकम व उस पर लगने वाले ब्याज को चुकाने के लिए भी पर्याप्त पैसा नहीं है। वहीं, कर्ज लेने की लिमिट सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए है। अगले वित्तीय वर्ष में कर्ज व ब्याज चुकाने के लिए 13 हजार करोड़ चाहिए। अब लोन को चुकाने के लिए मार्केट से कर्ज लेकर भी बात नहीं बन रही और तीन हजार करोड़ रुपए अपने बजट से चुकाने होंगे। सोलहवें फाइनेंस कमीशन की

रिपोर्ट में हिमाचल सहित अन्य कुछ राज्यों की रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) खत्म कर दी है। इससे हिमाचल सरकार के खजाने पर भारी चोट लगी है। हिमाचल प्रदेश पर कुल देनदारियां 1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई हैं, जिससे यह पहाड़ी राज्य कर्ज लेने वाले भारतीय राज्यों में 5वें स्थान पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने स्टेट फाइनेंस रिपोर्ट (2025–26) में कहा है कि मुफ्त की ऐसी योजनाओं के चलते राज्यों के बजट पर दबाव बढ़ रहा है। हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में बुनियादी ढांचे (सड़क, स्कूल, अस्पताल) पर खर्च कुल बजट का 10: से भी कम रह गया है। मुफ्त की रेवड़ी बांटने में कोई पीछे नहीं है। केंद्र में बतौर विपक्षी पार्टी आलोचना करने वाली कांग्रेस अपनी सत्ता वाले राज्यों में खुल कर श्रेवड़ियांश बांटती रही है। उसी तरह केंद्र में खुल कर यह काम करने वाली भाजपा, राज्यों में कांग्रेस व अन्य पार्टियों का इसके लिए विरोध करती है। बीते नौ साल में प्रति व्यक्ति कर्ज तीन गुना बढ़ गया है। इसका एक बड़ा कारण केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा जनता को खुले आम श्रेवड़ियांश बांटना भी है। देश में प्रति व्यक्ति कर्ज 1,86,206 रुपए हो जाने का अनुमान है। अहम बात यह है कि राजनीतिक दलों को यह भी बताना चाहिए कि इन मुफ्त की योजनाओं के लिए धन कहां से आएगा। अब हमारी फाइनेंशियल पॉलिटिक्स में ईमानदारी और जवाबदेही वापस लाने का समय आ गया है।

व्यक्तिनिर्माण से राष्ट्र निर्माण ही संघ का ध्येय - युद्धवीर
संगठित समाज ही शक्तिशाली राष्ट्र की आधारशिला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचार परिवार मिलन का वार्षिकोत्सव रविवार को तिलकधारी इंटर कॉलेज के प्रांगण में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने सामूहिक आसन, योग, समता, व्यायाम एवं गीत का प्रभावशाली प्रदर्शन कर अनुशासन और संगठनात्मक क्षमता का परिचय दिया। वार्षिकोत्सव के मुख्य वक्ता पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के सेवा प्रमुख युद्धवीर जी ने कहा कि वार्षिकोत्सव वर्षभर संचालित शाखाओं में होने वाले शारीरिक और बौद्धिक प्रशिक्षण का सार्वजनिक प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि

संघ की शाखा व्यक्ति निर्माण का प्रमुख माध्यम है, जहां विभिन्न गतिविधियों के जरिए स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व का समग्र विकास किया जाता है। शाखा से तैयार स्वयंसेवक समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन का कार्य करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए सामूहिकता और अनुशासन का भाव आवश्यक है। संगठित समाज ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखता है। सेवा, समर्पण और संस्कार के माध्यम से समाज को एकजुट करना संघ का प्रमुख उद्देश्य है। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद, भारतीय जनता पार्टी, सेवा भारती, हिंदू जागरण मंच, विद्या भारती, किसान संघ, आरोग्य भारती एवं भूतपूर्व सैनिक परिषद सहित लगभग 20 संगठनों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मुख्य शिक्षक वीरेंद्र जी ने किया, जबकि अतिथियों का परिचय विभाग संपर्क प्रमुख डॉ. उदय ने कराया। इस अवसर पर विधायक शाहगंज रमेश सिंह, पूर्व विधायक हरेंद्र सिंह, पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह, विभाग प्रचारक आदित्य जी, विभाग कार्यवाह डॉ. नितेश, सह विभाग कार्यवाह डॉ. नागेंद्र जी, जिला कार्यवाह रजनीश, सह जिला कार्यवाह रविंद्र एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

जमीन विवाद में युवक की हत्या, आरोपी के गिरफ्तारी के एसओजी कई टीमों का गठन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।रविवार की सुबह गोसाईगंज थाना क्षेत्र में जमीन विवाद के चलते हुई फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जिसके चलते आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। इस बात की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग के उच्च अधिकारी सीओ सदर अरविन्द सोनकर ने आसपास थानों के थानाध्यक्ष के साथ भारी संख्या में पुलिस बल लेकर मौके पर पहुंच गए और घटना को लेकर छानबीन करने में जुट।बताया जाता है कि थाना गोसाईगंज के गाजीपुर गार्डन में यह हादसा हुआ। थाना गोसाईगंज क्षेत्र के अकारीपुर गांव निवासी भूपेंद्र सिंह आरोपी लकी वर्मा के चाचा से एक माह पूर्व जमीन खरीदी थी।जिसका आज वे थाना गोसाईगंज के काजीपुर गाडर में जमीन का बैनामा कराने गये थे।जहाँ पर जमीन को लेकर विवाद हो गया। मृतक भूपेंद्र सिंह के परिवार के सदस्यों ने विपक्षी लकी वर्मा पर गोली चलाने का आरोप लगाया।इस संबंध मे एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि फायरिंग जमीनी विवाद के चलते हुआ। बताया कि विपक्षी द्वारा किए गए फायरिंग मे जमीन क्रेता भूपेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए।जिन्हें इलाज के लिए ट्रामा सेंटर लाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी लकी वर्मा के चाचा ने भूपेंद्र सिंह को जमीन बेची थी।जो आरोपी लकी वर्मा को नागवार गुजरी।इस दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने उस पर हमला कर दिया।आरोपी को पकड़ने के लिए एसओजी जी सहित कई टीमों का गठन किया गया है। शीघ्र ही आरोपी को पुलिस गिरफ्तार कर लेगी।

रोटरी क्लब ग्रेटर फैजाबाद द्वारा सोमवार को गुप्तारघाट के तट पर मनेगा होली मिलन उत्सव

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।रोटरी क्लब ग्रेटर फैजाबाद द्वारा रंगों और उमंगों का पर्व श्होली मिलनश आज सुबह सरयू तट स्थित सुरम्य गुप्तारघाट पर अत्यंत हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में क्लब के सभी सदस्य अपने परिवारों के साथ सम्मिलित होकर पारंपरिक रूप से होली मनाएंगे।क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन संजीव सोनी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि ष्रोटरी परिवार हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आपसी प्रेम और भाईचारे के प्रतीक होली उत्सव को सामूहिक रूप से मनाने जा रहा है। गुप्तारघाट के पावन तट पर अबीर–गुलाल के साथ यह उत्सव रोटरी की एकजुटता को और मजबूती प्रदान करेगा।कार्यक्रम संयोजक रोटेरियन अखिलेश अग्रवाल ने बताया कि उत्सव का मुख्य आकर्षण ढोल–भांगड़ा की थाप और पारंपरिक होली के गीत होंगे। उन्होंने कहा, हिंदुओं के इस महान पारंपरिक त्यौहार को हम सामूहिक रूप से अबीर और गुलाल के साथ खेलेंगे। इस अवसर पर विशेष जलपान और ठंडाई का भी प्रबंध किया गया है ताकि सभी सदस्य उत्सव का भरपूर आनंद ले सकें। कार्यक्रम में रोटरी क्लब ग्रेटर परिवार के भारी संख्या में उपस्थित होने की संभावना है।

संक्षिप्त खबरें

16 ग्राम नाजायाज स्मैक के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या पुलिस ने 16 ग्राम स्मैक के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। कोतवाली अयोध्या पंकज सिंह ने बताया कि होली व रमजान पर्व को देखते हुए एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर के निर्देश पर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी की देखरेख में सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी के नेतृत्व में मादक पदार्थो की रोकथाम तथा अपराधा पर अंकुश लगाने के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।बताया कि रविवार को अभियुक्त मनीष दूबे पुत्र स्व0 रमापति दूबे निवासी ऐमी

आलापुर थाना महाराजगंज जनपद अयोध्या को काशीराम कालोनी के आगे बडी छवानी मोड पर पहुचने पर सडक के किनारे से समय करीब 01.30 बजे 16 ग्राम नाजायज स्मैंक के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बध में थाना हाजा पर मु.अ.स. 146́2026 धारा 8́21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में मा0 न्यायालय भेजा गया।

क्रॉप वेदर वॉच गुप की 24वीं बैठक सम्पन्न, बढ़ते तापमान को देखते हुए किसानों के लिए विशेष कृषि परामर्श जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह की अध्यक्षता में 26 फरवरी 2026 को परिषद के सभाकक्ष में क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की वर्ष 2025–26 की 24वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त पूर्वानुमानों के आधार पर प्रदेश के किसानों के लिए आगामी दो सप्ताह हेतु महत्वपूर्ण कृषि प्रबंधन संबंधी सुझाव जारी किए गए। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार प्रदेश के सभी कृषि जलवायु क्षेत्रों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने तथा तापमान में क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है।विशेषज्ञों ने बढ़ते तापमान और तेज हवाओं को ध्यान में रखते हुए रबी फसलों में नमी बनाए रखने के लिए आवश्यकता अनुसार सायंकाल हल्की सिंचाई करने की सलाह दी है। देर से बोए गए गेहूं में दाना भरने की अवस्था पर पोटैशियम नाइट्रेट का पर्णीय छिड़काव करने तथा गेरूई और पत्ती धब्बा रोग के नियंत्रण हेतु प्रोपीकोनाजोल के प्रयोग की संस्तुति की गई है। चने की फसल में फलीबेधक कीट और अरहर में फल मक्खी के प्रकोप से बचाव के लिए उपयुक्त कीटनाशकों के छिड़काव की सलाह भी दी गई है।बैठक में बताया गया कि वर्तमान मौसम जायद की फसलों जैसे टमाटर, भिंडी, लोबिया और कद्दू वर्गीय सब्जियों की बुवाई के लिए अनुकूल है। बसंतकालीन गन्ने की बुवाई में नवीन उन्नत किस्मों के प्रयोग पर बल दिया गया है, जबकि लाल सड़न रोग से संक्रमित किस्म को–0238 की बुवाई न करने की सख्त हिदायत दी गई है।

लविवि न्यू कैंपस के सभी महिला छात्रावासों की जिम्मेदारों को हटाया, नई टीम तैनात

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय न्यू कैंपस स्थित गंगा गर्ल्स छात्रावास में मेस के खराब भोजन से छात्राओं की तबीयत बिगड़ने और उसके बाद हुए प्रदर्शन को कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने प्रदर्शनकारी छात्राओं को धमकाने पर भी सख्त रुख अपनाया है। शुक्रवार को कुलपति ने सख्त रुख अपनाते हुए न्यू कैंपस के सभी महिला छात्रावासों की प्रोवोस्ट, सहायक प्रोवोस्ट और एडिशनल चीफ प्रोवोस्ट को तत्काल प्रभाव से हटा दिया। बुधवार रात छात्राओं की तबीयत खराब होने और विरोध प्रदर्शन के बाद बृहस्पतिवार को कुलपति गंगा गर्ल्स छात्रावास पहुंचे थे। लगभग तीन घंटे तक उन्होंने छात्राओं की समस्याएं सुनीं। छात्राओं ने एक स्वर में प्रोवोस्ट और असिस्टेंट प्रोवोस्ट की कार्यशैली व उनके व्यवहार पर नाराजगी जताई। भोजन की गुणवत्ता व व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। शुक्रवार को कुलपति के निर्देश पर कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने आदेश जारी कर गंगा, लावण्या और डॉ. बीआर

अंबेडकर महिला छात्रावास की प्रोवोस्ट और सहायक प्रोवोस्ट को कार्यमुक्त कर दिया। इन छात्रावासों के प्रमुख पदों की जिम्मेदारी अब विधि संकाय के शिक्षकों को सौंपी गई है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि डॉ. कालिंद्री को एडिशनल चीफ प्रोवोस्ट (गर्ल्स) के साथ गंगा गर्ल्स छात्रावास की प्रोवोस्ट तथा डॉ. निहारिका को सहायक प्रोवोस्ट बनाया गया है। बीआर अंबेडकर छात्रावास के लिए डॉ. ऋचा सक्सेना को प्रोवोस्ट तथा डॉ. श्वेता श्रीवास्तव को सहायक प्रोवोस्ट की जिम्मेदारी दी गई है। लावण्या छात्रावास के लिए डॉ. मृणालिनी सिंह को प्रोवोस्ट और डॉ. शशि प्रभा जोशी को सहायक प्रोवोस्ट नियुक्त किया गया है।

खाना सुधरा, छात्राओं ने कहा– थैंक यू वीसी सर गंगा छात्रावास की छात्राओं ने शुक्रवार को बताया कि कुलपति के दौरे के बाद से भोजन की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। हॉस्टल और मेस में साफ–सफाई की व्यवस्था भी बेहतर हुई है। इसके लिए छात्राओं ने सोशल मीडिया पर थैंक यू वीसी सर का मेसेज पोस्ट कर कुलपति को धन्यवाद ज्ञापित किया। सूत्र बताते हैं कि कुलपति ने गंगा गर्ल्स छात्रावास की छात्राओं के आरोपों को काफी गंभीरता से लिया। जिसमें छात्राओं ने प्रोवोस्ट डॉ. नीतम सिंह पर 'दूसरे तरीके' से देख लेने की धमकी देने के साथ चारित्रिक लांछन लगाने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। कुलपति ने बृहस्पतिवार को छात्रावास पहुंचकर खुद भी देखा था कि वहां क्या स्थिति है। इसके बाद ही कुलपति ने बड़े बदलाव का निर्णय लिया। न्यू कैंपस के महिला छात्रावासों की जिन प्रोवोस्ट व असिस्टेंट प्रोवोस्ट को पद से हटाया गया है ।

बैकलॉग भर्ती की अंतिम तारीख बढ़ाने की मांग

लखनऊ, (संवाददाता)। संजय गांधी पीजीआई में शिक्षकों की बैकलॉग भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 28 फरवरी को समाप्त हो गई है। संस्थान के एससी, एसटी, पिछड़ा वर्ग फैकल्टी एसोसिएशन ने इस तारीख को आगे बढ़ाने की मांग की है। एसोसिएशन ने निदेशक को पत्र लिखकर आवेदन की अंतिम तारीख 31 मार्च तक बढ़ाने का अनुरोधा किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. बसंत कुमार और सचिव डॉ. रजनीकांत आर यादव ने निदेशक प्रो. आरके धीमन को दिए पत्र में कहा है कि तारीख बढ़ाने से अधिक योग्य उम्मीदवार आवेदन कर पाएंगे। इससे भर्ती प्रक्रिया में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित होगी। संस्थान को भी अधिक आवेदन प्राप्त होने की संभावना है।

संक्षिप्त खबरें

होली पर लुलु हाइपरमार्केट की अनूठी पहल, बाल सदन के बच्चों संग बाँटी खुशियाँ

लखनऊ, (संवाददाता)। लुलु हाइपरमार्केट लखनऊ ने एक बार फिर सामाजिक सरोकार और आपसी एकता के मूल्यों को साकार करते हुए होली के पावन अवसर पर विशेष पहल की। "हैप्पी होली" अभियान के अंतर्गत हाइपरमार्केट की टीम ने लखनऊ स्थित श्रीमद् दयानंद बाल सदन के बच्चों को होली किट वितरित कर उनके साथ त्योहार की खुशियाँ साझा कीं। इस अवसर पर बच्चों के बीच उत्साह और मुस्कान का सुंदर संगम देखने को मिला। होली किट प्राप्त कर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और पूरे परिसर में उत्सव जैसा वातावरण बन गया।कार्यक्रम के दौरान टीम के सदस्यों ने बच्चों के साथ समय बिताया और प्रेम, अपनत्व तथा मिलकर त्योहार मनाने का संदेश दिया। यह पहल लुलु हाइपरमार्केट की उस सोच को प्रतिबिंबित करती है, जिसमें हर त्योहार को समाज के सभी वर्गों के साथ साझा करने पर जोर दिया जाता है। समूह का मानना है कि सच्ची खुशी तभी मिलती है जब उसे बांटा जाए और हर चेहरे पर मुस्कान लाई जाए।इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशक दृ उत्तर प्रदेश, तेलंगाना एवं दिल्ली नोमान अजीज खान ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने का अवसर है। उन्होंने कहा कि लुलु हाइपरमार्केट हमेशा से एकता, प्रेम और साथ मिलकर आगे बढ़ने की भावना को प्रोत्साहित करता रहा है और बच्चों के साथ यह समय बिताना उनके लिए बेहद विशेष और भावनात्मक अनुभव रहा।

पुराने हाईकोर्ट परिसर में सघन चेकिंग के दौरान दो गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। कचहरी स्थित न्यायालय परिसर में प्राप्त धमकी भरे ई–मेल के बाद सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से सुदृढ़ कर दिया गया है। पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के निर्देशन में थाना वजीरगंज पुलिस द्वारा बीडीएस टीम और डॉग स्क्वॉड के साथ लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। न्यायालय परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की गहन तलाशी ली जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।इसी क्रम में 26 फरवरी 2026 को अपराह्न लगभग 4रू45 बजे पुराने हाईकोर्ट परिसर के गेट नंबर 8ए पर चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका गया। तलाशी लेने पर एक व्यक्ति के कब्जे से 32 बोर की एक पिस्टल तथा मैग्जीन में दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। वहीं दूसरे व्यक्ति के पास से दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ के दौरान दोनों व्यक्ति बरामद शस्त्र और कारतूस के संबंध में कोई वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके।इसके बाद दोनों को तत्काल हिरासत में लेकर थाना वजीरगंज में मुकदमा अपराध संख्या 41/2026, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस के अनुसार प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है और यह भी जांच की जा रही है कि अभियुक्त न्यायालय परिसर में किस उद्देश्य से पहुंचे थे।गिरफ्तार अभियुक्तों में लालचन्द्र कजानी पुत्र दौलत राम कजानी निवासी अमन विहार, थाना ठाकुरगंज, लखनऊ (उम्र लगभग 50 वर्ष) तथा भानु प्रताप यादव पुत्र रामदरश यादव निवासी राजाजीपुरम, थाना तालकटोरा, लखनऊ (उम्र लगभग 40 वर्ष) शामिल हैं।

दिग्गज महिला तीरंदाज लगाएंगी निशाना

लखनऊ, (संवाददाता)। शहर के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में शनिवार से रानी लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय महिला तीरंदाजी प्रतियोगिता का आगाज होगा। प्रदेश की सबसे बड़ी इनामी राशि वाली प्रतियोगिता में देशभर से आईं दिग्गज महिला तीरंदाज पदकों पर निशाना साधेंगीं। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में 12 स्वर्ण सहित कुल 18 पदक दांव पर होंगे, जिसे जीतने के लिए 300 से ज्यादा खिलाड़ी जोर आजमाइश करेंगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य करेंगी। इस मौके पर कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव सुहास एलवाई, पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हरविंदर सिंह, पूर्व आईएएस और यूपी तीरंदाजी एसोसिएशन के अध्यक्ष अवनीश कुमार अवस्थी और सचिव अजय गुप्ता समेत अन्य मौजूद रहेंगे। जानकारी के अनुसार, शनिवार को रिकर्व और कंपाउंड वर्ग में क्वालिफाइंग मुकाबले खेले जाएंगे। यहां जीत दर्ज करने वाली खिलाड़ी नॉकआउट राउंड में रविवार में पदकों की जोर आजमाइश में भिड़ेंगी। दो दिवसीय प्रतियोगिता के बाबू स्टेडियम में कुल 50 टारगेट लगाए गए हैं। इनमें 25 पर रिकर्व और 25 टारगेट पर कंपाउंड वर्ग के मुकाबले खेले जाएंगे। स्टेडियम में दोनों छोर पर डिस्प्ले टाइमर लगाया गया है। प्रतियोगिता के लिय देशभर से तमाम इंटरनेशनल महिला तीरंदाज शाम तक शहर पहुंच गईं। खिलाड़ियों ने शाम को 1090 चौराहे के निकट स्थित तीरंदाजी मैदान पर अभ्यास किया। प्रतियोगिता की सबसे बड़ा आकर्षण पैरा ओलंपिक पदक विजेता शीतल देवी होगी, जो शुक्रवार रात लखनऊ पहुंच गई। प्रदेश की सबसे बड़ी इनामी राशि वाली महिला तीरंदाजी प्रतियोगिता के आयोजन स्थल केडी सिंह बाबू स्टेडियम की खूबसूरती देखते ही बनी। स्टेडियम में प्रवेश करके बड़ी राष्ट्रीय स्तर वाली प्रतियोगिता का अहसास हुआ। यूपी तीरंदाजी संघ के संयुक्त सचिव योगेंद्र सिंह राणा ने बताया कंपाउंड और रिकर्व स्पर्धा में सीनियर, जूनियर और सब जूनियर वर्ग में होने वाली प्रतियोगिता के लिए शुक्रवार शाम सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शनिवार को स्पर्धा शुरू होने से पहले सुबह आठ से साढ़े आठ बजे तक आधे घंटे का अभ्यास सत्र होगा। इसके बाद सीनियर रिकर्व और कंपाउंड वर्ग के मुकाबले शुरू होंगे।

युवाओं को भविष्य उन्मुख कौशल से सशक्त बनाने की पहलकौशल विकास मिशन ने छह संस्थाओं से किया समझौता

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल से लैस करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने युवाओं को तकनीकी दक्षता के साथ व्यक्तित्व विकास, मंच कला और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे आधुनिक कौशलों से जोड़ने के उद्देश्य से छह प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पहल व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में की गई।मिशन मुख्यालय लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मिशन निदेशक पुलकित खरे और संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार की उपस्थिति में गैर–वित्तीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को केवल तकनीकी प्रशिक्षण तक सीमित न रखकर उन्हें संवाद कौशल, आत्मविश्वास, रचनात्मकता और डिजिटल दक्षता से भी सशक्त बनाना है, ताकि वे राष्ट्रीय और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ सकें।मिशन निदेशक ने बताया कि यह पहल प्रदेश के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भारतेंदु नाट्य अकादमी के साथ साझेदारी के माध्यम से युवाओं को मंच संचालन, संवाद क्षमता और रचनात्मक अभिव्यक्ति का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे कला आधारित रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। वहीं ओरैकल द्वारा विकसित ऑनलाइन पाठ्यक्रम मिशन की वेबसाइट के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को उपलब्ध कराए जाएंगे।इसके अतिरिक्त हेल्ड हाई फाउंडेशन, मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन, द अप्रेंटिस प्रोजेक्ट तथा रैना एजुकेशन फाउंडेशन के साथ भी समझौते किए गए हैं। इन संस्थाओं के सहयोग से प्रदेश के विभिन्न मंडलों में युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रयागराज और वाराणसी मंडलों में आधारभूत रोजगारपरक कौशल कार्यक्रम के अंतर्गत अंग्रेजी संवाद, समालोचनात्मक चिंतन और समस्या समाधान पर विशेष बल दिया जाएगा।

आबादी से 800 मीटर दूरी पर लग सकेंगे ईंट–भट्ठे, संशोधित नियमावली

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में अब आबादी वाले क्षेत्रों से 800 मीटर की दूरी पर ईंट भट्ठे स्थापित हो सकेंगे। इतना ही नहीं वर्ष 2012 की नियमावली से पहले स्थापित हुए, पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एनओसी (अनापत्ति प्रमाणपत्र) न लेने वाले ईंट भट्ठों को भी वैध माना जाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश ईंट भट्ठा (स्थापना हेतु स्थल मापदंड) (प्रथम संशोधन) नियमावली, 2026 का अनुमोदन कर दिया गया है। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री अरुण कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया

कि 2012 की नियमावली के अनुसार आबादी से एक किलोमीटर के भीतर भट्ठा स्थापित नहीं किया जा सकता था। अब यह दूरी घटाकर 800 मीटर कर दी गई है, जिससे नए भट्ठों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा। कैबिनेट ने इस नियमावली को 3 फरवरी को हरी झंडी दे दी थी। डॉ संशोधित नियमावली के तहत ऐसे करीब 4000 भट्ठों को वैध माना जाएगा, जो 2012 की नियमावली लागू होने से पहले स्थापित हुए थे, लेकिन बोर्ड से अनापत्ति नहीं ले सके थे। यदि संबंधित भट्ठा संचालक ने 2012 से पूर्व सहमति के लिए आवेदन किया हो या खनन विभाग, जिला पंचायत अथवा वाणिज्य कर विभाग से अनुमति या रॉयल्टी चालान प्राप्त किया हो, तो उसे वैध माना जाएगा। सरकार का दावा है कि इस निर्णय से 30 से 40 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा और बाजार में सस्ती लाल ईंटों की उपलब्धता बढ़ेगी। इस अवसर पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन आरपी सिंह, प्रमुख सचिव वन वी. हेकाली जिमोमी, सचिव संजीव सिंह और वन मंत्री के ओएसडी सुमति मिश्रा मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पहली बार दो दिवसीय मीन महोत्सव–2026 का भव्य शुभारम्भ उत्तर प्रदेश को अंतर्देशीय मत्स्य पालन में प्रथम बनाने की दिशा में बड़ा कदम

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश मत्स्य विभाग द्वारा आज राजधानी स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पहली बार दो दिवसीय "मीन महोत्सव–2026 (एक्वा एक्सपो)" का भव्य शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भारत सरकार के केन्द्रीय राज्यमंत्री (मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी एवं पंचायतीराज) एस.पी. सिंह बघेल तथा उत्तर प्रदेश के मत्स्य विकास मंत्री संजय कुमार निषाद द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।एक्सपो में देश–प्रदेश के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, उद्यमियों तथा विभिन्न जनपदों से आए लगभग एक हजार मत्स्य पालकों ने सहभागिता की। करीब 50 प्रतिष्ठित कंपनियों ने औद्योगिक प्रदर्शनी एवं स्टॉल लगाए। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी 75 जनपदों में किया गया। साथ ही फिश फूड कोर्ट, प्रोटीन जागरूकता अभियान और आधुनिक तकनीकी प्रस्तुतियों के माध्यम से मत्स्य क्षेत्र की संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया।केन्द्रीय राज्यमंत्री एस.पी. सिंह बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में ठोस प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्नत पशुपालन और आधुनिक मत्स्य पालन से किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। उन्होंने मत्स्य पालकों को कृषि दर पर बिजली आपूर्ति तथा प्रदेश में एनएफडीबी के केन्द्र स्थापित करने पर बल दिया।मत्स्य मंत्री संजय कुमार निषाद ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश मत्स्य उत्पादन में देश का तीसरा सबसे बड़ा राज्य बन चुका है। पिछले छह वर्षों में मत्स्य उत्पादन दोगुना होकर 13.3 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। प्रदेश में 115.5 प्रतिशत की विकास दर दर्ज की गई है। वर्ष 2026–27 के बजट में मत्स्य विभाग के लिए 114.20 करोड़ रुपये की नई राज्य सहायता स्वीकृत की गई है। साथ ही इंटीग्रेटेड एक्वापार्क की स्थापना, तीन मत्स्य मंडियों के निर्माण हेतु 100 करोड़ रुपये तथा मोती की खेती को बढ़ावा देने के लिए 3 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज, फीड और तकनीक के समन्वय से अगले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश मत्स्य उत्पादन में पश्चिम बंगाल को पीछे छोड़ सकता है। सलाहकार के.वी. राजू ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश को आत्मनिर्भर और आधुनिक मत्स्य राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।अपर मुख्य सचिव मत्स्य मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि प्रदेश में छह लाख हेक्टेयर से अधिक जलक्षेत्र उपलब्ध है। प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से मत्स्य उत्पादन और किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। दुवासु मथुरा में मत्स्य विज्ञान पर शोध कार्य भी प्रारम्भ हो चुका है।कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, केज कल्चर, मत्स्य पालक कल्याण कोष, केसीसी, दुर्घटना बीमा, निषादराज बोट सब्सिडी योजना तथा महिला सशक्तीकरण एयरेटर योजना सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने मत्स्य बीज उत्पादन, कैट फिश फार्मिंग, झींगा पालन, केज कल्चर तथा आर्नामेंटल फिश फार्मिंग जैसे विषयों पर तकनीकी सत्रों में विस्तार से प्रस्तुतिकरण किया।

जनगणना कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं - जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र

जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक में दिए सख्त निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । यूपी के जौनपुर में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में शनिवार को जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना की तैयारियों, प्रशिक्षण एवं संसाधनों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान जनगणना कार्य निदेशालय के प्रतिनिधि एवं जनपद जनगणना प्रभारी युवराज गर्ग ने अधिकारियों को विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने डेटा संकलन की प्रक्रिया, तकनीकी व्यवस्थाओं और फील्ड स्तर पर अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है, जिसके आधार पर विभिन्न विकास योजनाओं का निर्माण और क्रियान्वयन होता है। उन्होंने निर्देश दिया कि यह कार्य पूरी पारदर्शिता, गंभीरता और समयबद्धता के साथ संपन्न किया जाए। सभी गणनाकारों को फील्ड में जाते समय अनिवार्य रूप से अपना पहचान पत्र धारण करने के निर्देश दिए गए, ताकि पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनी रहे। बैठक में बताया गया कि तीन अधिकारियोंध कर्मचारियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया है, जो आगे संबंधित कार्मिकों को प्रशिक्षण देंगे। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण जिम्मेदारी से करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा, जॉइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार गण एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का हुआ आयोजन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। रविवार को जनपद की सभी पीएचसी एवं नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला आयोजित हुआ।इस मौके पर कुल पीएचसी– 36, मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले में आम जन को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं और आरोग्य मेले का सफल संचालन संपन्न हुआ।जनपद अयोध्या की सभी पीएचसी पर आयोजित आरोग्य मेले में चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टॉफ द्वारा इलाज एवम स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ हासिल करने आए लोगों का स्वास्थ्य लाभ दिया गया और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाऐं प्रदान की गई।मेले में कुल चिकित्सकऋ 73, पैरामेडिकलऋ 201, द्वारा सेवाएं प्रदान की गई।मेले में पुरुष मरीज 295, महिला मरीज 296, बच्चे 53, द्वारा अपना उपचार लाभ प्राप्त किया गया।मेले में आयुष्मान कार्ड बने 86, हेल्प डेस्क पर स्क्रीन हुए मरीज 120, कोविड टेस्ट 0 पॉजिटिव 0,आंख के मरीज 43, बुखार के मरीज 97, सांस के मरीज 72, पेट के मरीज 116, शुगर के मरीज 105, चर्म रोग के मरीज 106, टीबी के सस्पेक्टेड मरीज 24, एनीमिया के 21, उच्च रक्तचाप के 33, प्रसव पूर्व जांच 85, कुपोषित 2, रेफर 46. लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई।

डा. रणजीत सिंह (कवि वीर रस, प्रतापगढ़) द्वारा प्रस्तुत काव्य वतन किस हाल में होगा यही चिंता सताती है, मुझे एक बार फिर सरहद से मेरी माँ बुलाती है, अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरा में उमड़ा भावों का सैलाब

सिटी रिर्पोटर अनुराग श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद के ग्राम्या के 45वें वर्ष के गौरवशाली उपलक्ष्य में विगत रात 28 फरवरी को एक भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन कुशलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक महफिल ने जौनपुर की शाम को काव्यमयी रसों और वैचारिक तरंगों से सराबोर कर दिया। कुशल संयोजन और दिव्य शुभारंभ एवं संयोजन प्रख्यात साहित्यकार सतीश चंद्र शुक्ल सत्यथी और सह–संयोजक आदर्श कुमार (संपादक, तरुणमित्र) के कुशल नेतृत्व में हुआ। और कार्यक्रम का सफल संचालन गैबी जौनपुरी के नेतृत्व में , अध्यक्ष सभाजीत द्विवेदी (प्रखर) ने किया। समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रतापगढ़ की बिटिया जया मिश्रा द्वारा प्रस्तुत सुमध ुर सरस्वती वंदना से हुई, जिनके स्वरों ने पूरे वातावरण में दिव्यता घोल दी। अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजकों ने जनपद के गौरवशाली साहित्यिक इतिहास को रेखांकित किया।

कवियों की ओजस्वी वाणी से गूंजा पंडाल

मंच पर जब देश के चुनिंदा रचनाकारों ने अपनी पंक्तियाँ पढ़ीं, तो श्रोताओं का उत्साह देखते ही बनता था। कवियों का क्रम और उनकी प्रमुख पंक्तियाँ कुछ इस प्रकार रहीं।

–बिहारी लाल अम्बर (प्रयागराज): मुख्य कवि के रूप में उन्होंने व्यवस्था पर तीखा प्रहार किया–जो भी शराब के विरोध में बोला, उसी की जेब से पौवा निकला।

– डॉ. रणजीत सिंह (वीर रस, प्रतापगढ़): अपनी ओजस्वी वाणी से राष्ट्रभक्ति का अलख जगाते हुए पढ़ा – वतन किस हाल में होगा यही चिंता सताती है, मुझे एक बार फिर सरहद से मेरी माँ बुलाती है।

–डॉ. विभा तिवारी : दुनिया के दोहरे व्यवहार और फितरत पर वार करते हुए कहा– जाल फेंकेंगे दाना बिखेरेंगे ये, फिर परिंदों के पर ये कतर जाएंगे।

सुमित शिवम मौर्य (जौनपुर) अपनी मर्मस्पर्शी पंक्तियों से सबका दिल जीता– उड़ती चिड़ियों के परों को नोचने वाले, दर्द कहाँ से समझेंगे, दिलों से खेलने वाले।

अतुल बाजपेई (लखनऊ) : प्रभु राम की महिमा का बखान करते हुए पढ़ा– बल, बुद्धि, पराक्रम के सागर, जिनके आयुध धनु–सायक हैं, वह पुरुषोत्तम, भारत गौरव, प्रभु राम हमारे नायक हैं।

संदीप सरगम : सामाजिक विडंबनाओं को व्यंग्य के रूप में पिरोते हुए पढ़ा–काश हम भी होते लड़की हसीन, फिर जुर्म चाहे जितने भी करते संगीन, फिर भी सभी होते मेरे शौकीन।

हरिंदर जख्मी : वतन के प्रति अटूट निष्ठा का संदेश देते हुए समापन की ओर पढ़ा–वतन के साथ गद्दारी हमें अच्छी नहीं लगती, करो दुश्मन से तुम यारी हमें अच्छी नहीं लगती।

–आमंत्रित साहित्यकारों की उपस्थिति

इस शाम को भव्य बनाने में अहमद निसार, सुशील दूबे, प्रीति श्रीवास्तव, डण्डा बनारसी (वाराणसी), अंबुज मिश्र, प्रशांत मिश्रा, डॉ. संजय सिंह सागर, राजेश पांडेय एडवोकेट, राजेश चौबे दादा, गैबी जौनपुरी, डॉ. प्रमोद वाचस्पति, बेहोश जौनपुरी, शंकर आनंद, शिव प्रकाश साहित्य और प्रमोद मिश्रा जैसे दिग्गजों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

प्रशासनिक गौरव का सम्मान

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ध्रुव खड़िया (IAS 2021/CDO जौनपुर) और ए.डी.एम. (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाना था परन्तु प्रशासनिक व्यवस्था के कारण वह लोग उपलब्ध नहीं हो पाये अधिकारियों की आश्वावशन के बाद उपलब्ध न हो पाना भी एक सामाजिक उदासीनता का कारण है सह–संयोजक आदर्श कुमार ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। देर रात तक चले इस सम्मेलन ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि जौनपुर न केवल इतिहास की नगरी है, बल्कि यह साहित्य और संवेदनाओं की अत्यंत उर्वरा भूमि भी है। अन्त में आयोजक द्वय सतीश चन्द्र शुक्ल सत्पथी व आदर्श कुमार ने आये हुए अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए अगले वर्ष तक के लिए समापन की घोषणा किया।

आयतुल्लाह खामेनेई के निधन की खबर पर उबाल, हजारों शिया समुदाय के लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई के निधन की खबर सामने आते ही शिया समुदाय के लोगों में गहरा आक्रोश देखने को मिला। खबर मिलते ही रविवार को हजारों की संख्या में पुरुषों और महिलाओं ने शहर के कल्लू के इमामबाड़ा पहुंचकर शोकसभा आयोजित की और अमेरिका व इजरायल के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इमामबाड़ा परिसर और आसपास का इलाका लोगों की भारी भीड़ से भर गया। हाथों में तख्तियां और बैनर लिए प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका और इजरायल के खिलाफ नारेबाजी की। महिलाओं की भी बड़ी संख्या में मौजूदगी ने इस प्रदर्शन को और व्यापक बना दिया। लोगों के चेहरे पर गुस्सा और आंखों में दुख साफ झलक रहा था। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि शिया समुदाय आयतुल्लाह अली खामेनेई को अपना रहबर (धार्मिक मार्गदर्शक) मानता था और उनके बताए रास्ते पर चलना अपना कर्तव्य समझता था। उनके निधन को लेकर समुदाय में गहरा शोक और आक्रोश है। विरोध प्रदर्शन के दौरान "अमेरिका मुर्दाबाद" और "इजरायल मुर्दाबाद" के नारे लगाए गए। प्रदर्शनकारियों ने इसे अमन और इंसाफ के खिलाफ कदम बताते हुए कहा कि इस घटना ने पूरी दुनिया के सामने सच्चाई उजागर कर दी है। साथ ही अमन पसंद लोगों से अपील की गई कि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने में उनका साथ दें। इस दौरान शिया धर्मगुरु मौलाना मोहम्मद रजा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह से हमला कर इस घटना को अंजाम दिया गया है, उससे पूरी दुनिया में आक्रोश है। उन्होंने इसे इंसानियत के खिलाफ कदम बताते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन भी मौके पर मौजूद रहा और स्थिति पर नजर बनाए रखी। हालांकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। अंत में समुदाय के लोगों ने दिवंगत नेता की मगफिरत के लिए दुआ की और एकजुटता बनाए रखने का संकल्प लिया। वही इस घटना पर अपनी नाराजगी जताते हुए मौलाना मोहम्मद रजा (शिया ध र्मगुरु)ने कहा कि "आज जिस तरह से अमेरिका ने अपने आतंकवादी तरीके से हमला कर हमारे रहबर आयतुल्लाह अली खामेनेई को निशाना बनाया है, उससे पूरी दुनिया में उनका चेहरा बेनकाब हो गया है। हम अमन पसंद लोग हैं, लेकिन जुल्म के खिलाफ आवाज उठाना हमारा हक है।

जफराबाद चेयरमैन प्रतिनिधि समेत तीन पर मुकदमा दर्ज, पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में जफराबाद थाना क्षेत्र में कब्र खोदने को लेकर हुए विवाद के मामले में पुलिस ने आखिरकार तीसरे दिन चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. सरफराज खान समेत तीन लोगों के विरुद्ध शनिवार को मुकदमा दर्ज कर लिया। मामला सामने आने के बाद पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। मखदूमपुर गांव स्थित कब्रिस्तान की जमीन पर 25 फरवरी को एक व्यक्ति के दफन को लेकर कब्र खोदने को लेकर विवाद हो गया था। शेखवाड़ा मोहल्ला निवासी शाह शब्बीर हुसैन उर्फ बबलू ने आरोप लगाया कि मौके पर मौजूद चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. सरफराज खान, रिजवान खान और तारिक खान उर्फ बाबू ने कब्र जेसीबी से खोदने की बात कही। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट, गाली–गलौज और जानमाल की धमकी दी गई। पीड़ित का आरोप है कि थाने में प्रार्थना पत्र देने के बावजूद मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। उल्टा दूसरे पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने पीड़ित समेत अन्य लोगों के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की कार्रवाई की। बाद में पीड़ित के परिजनों ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत की, जिसके बाद उच्चाधिकारियों के निर्देश पर चेयरमैन प्रतिनिधि समेत तीन लोगों के विरुद्ध तीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।इस मामले में थाना प्रभारी श्रीप्रकाश शुक्ला ने दूरभाष पर बताया कि उनके निर्देश पर ही मुकदमा दर्ज किया गया है।

होली पर मिलावट के खिलाफ सख्ती : 164 प्रतिष्ठानों की जांच, 46 नमूने भेजे गए जांच को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में शनिवार को सहायक आयुक्त (खाद्य)–द्वितीय, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि ा प्रशासन, जौनपुर द्वारा आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने होली पर्व को देखते हुए 19 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने जनपद के विभिन्न बाजारों में सघन जांच अभियान चलाया। इस मामले में जानकारी देते हुए सहायक खाद्य सुरक्षा अधि ाकारी देवा आशीष उपाध्याय ने बताया कि 28 फरवरी को खाद्य सचल दल द्वारा अलग–अलग प्रतिष्ठानों से रंगीन कचरी, नमकीन, छेना मिठाई, किसमिस एवं बर्फी समेत कुल 6 नमूने संग्रहित कर जांच हेतु खाद्य विश्लेषक को भेजे गए। इस दौरान 24 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में एक प्रतिष्ठान पर मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने के संदेह पर लगभग 199 किलोग्राम रंगीन कचरी अनुमानित मूल्य 9,950 रुपये जब्त की गई। पूरे अभियान के दौरान 164 प्रतिष्ठानों की जांच करते हुए 46 नमूने संग्रहित किए गए। साफ–सफाई में कमी पाए जाने पर 36 प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी किया गया। वहीं दो प्रतिष्ठानों पर 125 किलोग्राम मिल्क केक मूल्य 16,250 रुपये और 100 किलोग्राम डोडा बर्फी (मूल्य 20,000 रुपये को मानव उपभोग के अयोग्य पाए जाने पर मौके पर ही नष्ट कराया गया। विभाग ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के दौरान मिलावटखोरी पर कड़ी नजर रखी जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

8 मार्च को होली मिलन समारोह के आयोजन की तैयारियों को लेकर सर्किट हाउस में बैठक सम्पन्न

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।आगामी 8 मार्च को आयोजित होने वाले होली मिलन समारोह की तैयारियों को लेकर सर्किट हाउस में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता रुपेश श्रीवास्तव ने की,जबकि संचालन राजू दुबे ने किया। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अयोध्या में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच विशिष्ट व्यक्तियों को समारोह के दौरान सम्मानित किया जाएगा। होली मिलन समारोह 8 मार्च को सुबह 11 बजे सहादतगंज स्थित स्टार सिटी होटल के प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ होगा।आगंतुक अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र पहनाकर किया जाएगा तथा फूलों की होली भी खेली जाएगी। बैठक में बृजेश सिंह, समीर शाही, अजय श्रीवास्तव अज्जू, सुबोध श्रीवास्तव, अपूर्व पाठक, करण दुबे, कवलजीत सिंह,राकेश श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, विवेकानंद पांडे, निर्मल पांडे, शिवम, वैभव श्रीवास्तव सहित पत्रकार उपस्थित रहे।

अगर विश्व शक्तियाँ जुल्म का साथ देंगी तो इसका परिणाम गंभीर होगा : मौलाना सफदर हुसैन जैदी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में रहबर अली खामेनई की शहादत की खबर फैलते ही जौनपुर नगर में मुस्लिम समाज के बीच गहरा शोक और आक्रोश देखने को मिला। विभिन्न मोहल्लों से बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और अमेरिका व इजराइल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रविवार को शहर के सदर इमामबारगाह पर धर्मगुरु मौलाना सफदर हुसैन जैदी की अगुवाई में जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर विरोध जताया और हमले की कड़ी निंदा की , जिससे माहौल गमगीन होने के साथ–साथ आक्रोश से भरा दिखाई दिया। मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने अपने संबोधन में कहा कि रहबर की शहादत केवल ईरान का नहीं बल्कि पूरी उम्मत का नुकसान है। हम इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। अगर विश्व शक्तियाँ जुल्म का साथ देंगी तो इसका परिणाम गंभीर होगा। हम इंसाफ की मांग करते हैं और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से निष्पक्ष जांच की अपील करते हैं। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज सब्र के साथ लेकिन मजबूती से अपना विरोध दर्ज करा रहा है और किसी भी अन्याय के खिलाफ आवाज उठाता रहेगा। प्रदर्शन को देखते हुए स्थानीय प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुलिस बल तैनात किया गया ताकि कानून–व्यवस्था बनी रहे,अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। इस मौके पर मौलाना अम्बर अब्बास खान , मौलाना मोहसिन , मौलाना यासिर , मौलाना अहमद हसन खान , मौलाना शाजान ,मौलाना जोहैर , अली मंजर , नौशाद हुसैन , चुनमुन भाई , दिलदार हुसैन आदि के साथ भारी संख्या में पुरुष महिलाएं मौजूद रही ।

दंगाइयों से निपटने के लिए पुलिस ने किया मार्कड्रिल

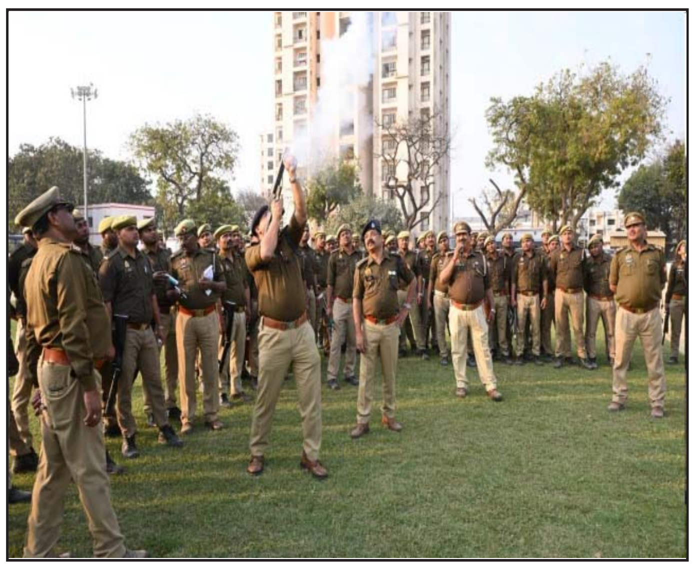

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। पुलिस लाइन मैदान पर होली पर्व दंगाइयों से निपटने के लिए पुलिस ने दंगा नियंत्रण ड्रिल का प्रशिक्षण किया। इस मौके पर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के नेतृत्व मे पुलिस कर्मियों ने दंगा नियंत्रण मार्क ड्रिल का प्रशिक्षण एवं अभ्यास का आयोजन किया।पुलिस द्वारा प्रशिक्षण इसलिए किया गया कि होलिका दहन व होली के दिन अराजक तत्वों द्वारा बलवा ड्रिल का अभ्यास किया।इस मौके पर रिजर्व पुलिस लाइन अयोध्या परिसर में दंगा नियंत्रण ड्रिल का अभ्यास कराया गया, इस दौरान पुलिस कर्मियों को बलवा होने पर उसे कंट्रोल करने और उस दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, बॉडी वॉर्न कैमरा, डैश बॉर्ड कैमरा, ड्रोन कैमरा आदि का प्रयोग करने हेतु टिप्स दिए। उक्त ड्रिल के दौरान शस्त्रों एवं दंगा नियंत्रण उपकरणों के संचालन का परीक्षण किया गया।

3 पखवारे से बंद रही गोसाईगंज सीएचसी पर एक्स–रे व लीवर/किडनी तथा सीबीसी की जांच हुई शुरु

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। बीते दिनों नगर पंचायत की सभासद एवं जय बाबा अमरनाथ बर्फानी सेवा समिति (रजि0) की अध्यक्ष आरती जायसवाल द्वारा सीएमओ एवं एडी को दिए गए पत्र का असर हुआ।गोसाईगंज सीएचसी पर बीते तीन पखवारे से बंद रही एक्स–रे एवं एलएफटी/केएफटी मशीन 2 दिन पूर्व से कार्य करने लगी। सभी मशीनों के चलने की पुष्टि सीएचसी अधीक्षक डॉ0 राणा रवि प्रकाश एवं लैब टेक्नीशियन (सहायक) पंकज कुमार ने भी सभासद प्रतिनिधि दिनेश कुमार जायसवाल पत्रकार से की है! अस्पताल मे सभी मशीनों के चालू होने से मरीजों एवं उनके तीमारदारों ने जहाँ राहत महसूस की है।वही क्षेत्रीय लोगों ने सभासद आरती जायसवाल द्वारा उठाए गए जनहित के कार्यों की खुलकर प्रशंसा भी की है।मालूम हो कि गोसाईगंज सीएचसी पर इलाज कराने के लिए आने वाले मरीजों एवं उनके तीमारदारो को बीते 3 पखवारे से पैथालोजी जांच के साथ ही डिजिटल एक्सरे मशीन की सुबिधा न मिलने से उनको प्राइवेट पैथोलॉजी की तरफ रुख करना पड़ता था।मामले की जानकारी जब सभासद आरती जायसवाल को हुई तो उन्होंने इन मशीनों को चालू कराने के लिए बीते 16 फरवरी एवं 23 फरवरी (दो बार)को सीएमओ एवं एडी से मिली तथा जनहित मे अबिलंब इसको चलाये जाने की वकालत की।परिणाम यह रहा कि 2 दिन पूर्व निष्पर्योज्य पड़ी सारी मशीने क्रियाशील हो गई।सीएचसी प्रभारी डॉ0 राणा रवि प्रकाश ने कहा कि मशीन चालू होने से मरीजो को काफी सहूलियत मिलनी शुरू हो गई है।

इनरव्हील क्लब ऑफ फैजाबाद का चेयरमैन विजिट एवं होली उत्सव सम्पन्न

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। इनरव्हील क्लब ऑफ फैजाबाद द्वारा रघुकुल सदन में आधिकारिक चेयरमैन विजिट एवं होली उत्सव का आयोजन किया गया। डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन प्रिय नारायण जी ने अध्यक्ष निशा गोयल, सचिव रेनू रस्तोगी, कोषाध्यक्ष ऋचा कौशल, आईएसओ नीता आचार्य एवं कॉरेस्पॉन्डेंट मोनिका अग्रवाल सहित सभी पदाधिकारियों की फाइलों का अवलोकन किया। इस अवसर पर कैलिपर्स वितरण, जरूरतमंद कन्याओं के विवाह सहयोग, पाटेश्वरी देवी मंदिर में चार बेंचों का उद्घाटन तथा सरस्वती शिशु मंदिर में नर्सरी कक्ष का उद्घाटन किया गया।कार्यक्रम में पीडीसी नुसरत राशिद, जोनल हेड रीता खत्री, कोऑर्डिनेटर स्नेहलता अग्रवाल एवं स्वाति टंडन सहित क्लब की सदस्याएँ उपस्थित रहीं।संचालन प्रो. मीनू दुबे ने किया। पूर्व अध्यक्ष एकता अग्रवाल ने व्यवस्थाओं का दायित्व संभाला।

रत्ना केवलानी, डिम्पल बंसल, तन्वी बंसल, दीप्ति एवं ममता सिंह द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने समारोह को उत्साहपूर्ण बना दिया।कार्यक्रम सेवा, सौहार्द और उत्साह के वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

संस्कृत बोर्ड परीक्षा में लगे शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रबंधक ने किया सम्मानित

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद द्वारा पहली बार पण्डित विजय राम संस्कृत इण्टर कॉलेज कादीपुर को परीक्षा केन्द्र बनने पर परीक्षा कराने में लगे शिक्षकों को प्रबन्धक ने सम्मानित किया। पहली बार परीक्षा केन्द्र बने पण्डित विजय राम संस्कृत इण्टर कॉलेज कादीपुर में कई विद्यालयों के अध्यापक सुचिता एवं व्यवस्थित परीक्षा सम्पन्न कराने में सहयोगोपरांत शनिवार को परीक्षा संपन्न होने के बाद सभी शिक्षकों का कॉलेज की तरफ से स्वागत सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय के प्रबन्धक एवं उत्तर प्रदेश वित्तविहीन विद्यालय प्रबन्धक संघ के जिला महासचिव सुरेन्द्र उपाध्याय ने सुचिता पूर्वक परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए विजय शंकर दूबे, मोहम्मद कैफ इदरीशी, आंचल उपाध्याय, साक्षी पाण्डेय,राजेश पाण्डेय, मनोज पाण्डेय,अच्छे लाल शर्मा, राहुल द्विवेदी, अशोक कुमार वर्मा, मंजू देवी, नीतू तिवारी, राम तिलक शर्मा,, अनुपम वर्मा, धनंजय गोस्वामी, जेठू राम गौड़, पूर्णिमा वर्मा, रोशनी गुप्ता, जयप्रकाश तिवारी, सत्य प्रकाश पांडे, अंकित यादव, संदीप कुमार राय आदि शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर स्वागत किया एवं सभी अध्यापकों के दीर्घ जीवन की मंगल कामना की।सम्मान समारोह में कार्यालय प्रमुख संतोष मिश्रा, प्रधानाचार्य अनुपम उपाध्याय सहित विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।